राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 38 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,08 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

सरकार और पूरा देश मध्य प्रदेश के साथ खड़ा है : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के लाभार्थियों से बातचीत की। योजना के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई पात्र व्यक्ति छूट ना जाये। राज्य 7 अगस्त, 2021 को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना दिवस के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री उपस्थित थे। मध्य प्रदेश में लगभग 5 करोड़ लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश में लोगों के जीवन और उनकी आजीविका को प्रभावित करने वाली बारिश और बाढ़ की स्थिति की चर्चा के साथ अपनी बात की शुरूआत की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुश्किल की इस घड़ी में भारत सरकार और पूरा देश मध्य प्रदेश के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी को सदी में एक बार आने वाली आपदा बताते हुए, कहा कि पूरा देश इस चुनौती से लड़ने के लिए एकजुट है। उन्होंने इस बात को दोहराया कि इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपनी रणनीति में गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। पहले दिन से ही गरीबों व श्रमिकों के भोजन और रोजगार की चिंता की गई। न केवल 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क राशन मिल रहा है, बल्कि 8 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस सिलेंडर भी मिला। 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खातों में सीधे 30 हजार करोड़ रुपये की राशि भेजी गई।

इसी प्रकार, श्रमिकों और किसानों के खातों में हजारों करोड़ रुपये की राशि भेजी गई। उन्होंने 9 अगस्त को लगभग 10-11 करोड़ किसान परिवारों के बैंक खातों में हजारों करोड़ रुपये की राशि भेजे जाने के बारे में भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने टीके की 50 करोड़ खुराक देने की हाल में प्राप्त उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, कहा कि भारत केवल एक सप्ताह में ही दुनिया के कई देशों के बराबर की जनसंख्या का टीकाकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बनते नए भारत का यह नया सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि यह टीका सुरक्षित और प्रभावी दोनों है। प्रधानमंत्री ने टीकाकरण में और तेजी लाने का आह्वान किया।

सैनिकों की वापसी के बाद गोगरा एलएसी पर बना नो पेट्रोलिंग जोन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेख पर जारी गतिरोध के बीच एक अच्छी खबर आ रही है। पूर्वी लद्दाख के गोगरा में लगभग 15 महीनों तक आमने-सामने रहने के बाद दोनों देशों ने अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यहां जमीनी स्थिति को गतिरोध-पूर्व अवधि के समान बहाल कर दिया है। क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने की दिशा में यह एक कदम है। दोनों पक्षों की तरफ से बनाए गए सभी अस्थायी ढांचों और अन्य बुनियादी ढांचों को गिरा दिया गया है। इसका दोनों तरफ से वेरिफिकेशन भी कर लिया गया है। दोनों पक्षों की तरफ से पीपी-17 ए में एक बफर जोन (नो पेट्रोलिंग जोन) बनाया है, जहां दोनों तरफ के सैनिक गश्त नहीं करेंगे। पिछले साल मई की शुरूआत में पूर्वी लद्दाख में कई बिंदुओं पर एलएसी के पार चीनी सेना के घुसपैठ के बाद से यह तीसरा नो-पेट्रोलिंग जोन है। पिछले साल 15 जून को हुई हिंसक झड़पों के बाद पहली बार गलवान घाटी में पीपी-14 में बफर जोन बनाया गया था। इसके बाद दूसरा इस साल फरवरी में पैंगोंग त्सो-कैलाश रेंज क्षेत्र में सैनिकों की वापसी के बाद बना। ये बफर जोन बड़े पैमाने उन इलाकों में बनाए जा रहे हैं जिसे भारत अपना क्षेत्र होने का दावा करता है।

बफर जोन से आशय विवाद या टकराव वाले उस स्थान से है जहां दोनों देश गश्त नहीं करते हैं। इसके अलावा दोनों देशों की तरफ से किसी भी तरह का सैन्य निर्माण प्रतिबंधित होता है। टकराव को रोकने के लिए बफर जोन को प्रभावी तरीका माना जाता है। दोनों पक्षों की बीच सहमति होने पर बफर जोन में साझा गश्त की जा सकती है। हालांकि, चीन, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देपसांग क्षेत्र के साथ-साथ डेमचोक में भारतीय क्षेत्र के अंदर बने तंबू पर चर्चा को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों को खारिज करना जारी रखे हुए है। देपसांग का इलाका उत्तर में दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) और काराकोरम दर्रे की ओर है। पीएलए लगातार देपसांग के अड़चन क्षेत्र में भारतीय गश्ती दल को रोक रहा है। यह क्षेत्र भारत के अपने एरिया के भीतर 18 किलोमीटर की दूरी पर है। सेना का कहना है कि पेट्रोलिंग प्वाइंट 17ए (पीपी-17ए) पर सैनिकों को पीछे हटाये जाने की प्रक्रिया पूरी होने के साथ अब ध्यान हॉटस्प्रिंग्स, देपसांग और देमचोक पर होगा। दोनों पक्ष 12 वें दौर की सैन्य वार्ता में टकराव वाले शेष स्थानों पर लंबित मुद्दों का समाधान शीघ्रता से करने पर सहमत हुए थे।

ट्विटर ने सस्पेंड किया राहुल गांधी का अकाउंट

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली में दरिंदगी का शिकार बनी बच्ची के माता-पिता से मुलाकात के बाद इसकी तस्वीर ट्विटर पर एक पोस्ट किया था। अब इसको लेकर ट्विटर इंडिया ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। ट्विटर ने राहुल गांधी का एकाउंट सस्पेंड कर दिया है। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, राहुल गांधी का अकाउंट अस्थायी रूप से निलंबित हुआ है और इसकी बहाली के लिए जरूरी पक्रिया चल रही है। उसने कहा, अकाउंट बहाल होने तक वह सोशल मीडिया के दूसरे मंचों के माध्यम से आपके साथ जुड़े रहेंगे और लोगों के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

इससे पहले बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने ट्विटर को नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी के ट्विटर हैंडल पर कार्रवाई की मांग की थी।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चेयरपर्सन प्रियंक कानूनगो ने ट्वीट करते हुए लिखा कि एक पीड़ित बच्ची के माता पिता की फोटो ट्वीट कर उनकी पहचान उजागर कर पोक्सो एक्ट का उल्लंघन करने पर आयोग ने संज्ञान लेते हुए ट्विटर इंडिया को नोटिस जारी किया है।

गौरतलब है कि दिल्ली के ओल्ड नांगल में 9 साल की एक बच्ची की संदेहास्पद हालत में मौत हो गई। आरोप है कि श्मशान घाट के भीतर रेप करने के बाद बच्ची को जला दिया गया। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही बताया है कि पोस्टमॉर्टम से भी मौत की वजह से पर्दा नहीं उठ पाया है। इस घटना के बाद राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। राहुल गांधी ने विवादास्पद तस्वीर के साथ ट्वीट कर कहा था कि माता-पिता के आंसू सिर्फ एक बात कह रहे हैं- उनकी बेटी, देश की बेटी न्याय की हकदार है. और न्याय के लिए इस रास्ते पर मैं उनके साथ हूं।

डेल्टा से ज्यादा खतरनाक वैरिएंट साबित हो सकता है स्टेरॉयज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इन दिनों पूरी दुनिया सहित देश कोरोना वायरस से जूझ रहा है। माना जा रहा है, कि आने वाले दिनों में कोरोना का एक और बुरा दौर शुरू हो सकता है। कहा जा रहा कि इस बार डेल्टा वेरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक वायरस आ सकता है। शोध के मुताबिक अगला वेरिएंट स्टेरॉयज वाला हो सकता है, जो डेल्टा से भी ज्यादा खतरनाक साबित होगा। इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन के डीजी ने कहा था कि डेल्टा जैसे और भी संक्रमण वाले वेरिएंट आ सकते हैं। क्योंकि फिलहाल वायरस लगातार अपने रंग बदल रहा है और इसमें बदलाव आ रहे हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि एक व्यक्ति के भीतर वायरस के दस अरब कॉपी में मौजूद हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि टीका ना लगवाने वाले लोगों में वायरस और तेजी से बदल रहा है। उनके बॉडी में मौजूद वायरस म्यूटेशन के लैब के रूप में काम कर रहा है। आने वाले समय के लिए खतरनाक होगा। कुछ और विशेषज्ञों का दावा है कि आने वाले दिनों में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं, और उनमें बदलाव हो सकते हैं जिसकी वजह से संक्रमण की संख्या दोगुनी हो सकती है और जो नया वेरिएंट आएगा वह और भी खतरनाक होगा। बता दें कि दूसरी ओर भारत सरकार ने लोकसभा को बताया कि देश में चार अगस्त तक कोविड के डेल्टा प्लस स्वरूप के 83 मामले सामने आए। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक महाराष्ट्र में 33,मध्यप्रदेश में 11 और तमिलनाडु में 10 मामले दर्ज किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि वायरस के जिनोमिकट डेटा का विश्लेषण लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि राज्यों को नियमित रूप से इसका परामर्श भेजा जाता है कि वे जिनोमी सिक्वेंसिंग के लिए नमूने भेज हैं।

झूठी जांच के कारण कुम्भ में कोरोना संक्रमण दर 5.3 प्रतिशत के मुकाबले 0.18 प्रतिशत थी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हरिद्वार कुंभ के दौरान प्रयोगशालाओं द्वारा झूठी नकारात्मक जांच के कारण हरिद्वार में संक्रमण दर वास्तविक 5.3 प्रतिशत के मुकाबले 0.18 प्रतिशत थी। यह जानकारी देते हुए फर्जी कोरोना टेस्ट कराने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दिल्ली, नोएडा, हिसार और देहरादून में उत्तराखंड सरकार के साथ एमओयू साइन करने वाली मैक्स कॉरपोरेट सर्विस समेत कोविड टेस्ट करने वाली नोवास, डॉ. लालचंदानी लैब, डीएनए और मैक्स लैब के ठिकानों पर जांच-पड़ताल की। इसके साथ ही एसआईटी की टीम भी मैक्स सर्विसेज के मालिक और पार्टनर की तलाश में दिल्ली-एनसीआर और नैनीताल में दबिश दी है।

ईडी ने छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, फर्जी बिल, लैपटॉप, मोबाइल फोन और संपत्ति के दस्तावेज और 30.9 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी ने हाल में आरोपी कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ उत्तराखंड पुलिस की प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। इसके बाद छापेमारी की गई। ईडी ने कहा कि इन प्रयोगशालाओं को उत्तराखंड सरकार ने कुंभ मेले के दौरान कोरोना वायरस के लिए तेजी से एंटीजन और आरटी-पीसीआर जांच करने का ठेका दिया था। एजेंसी ने कहा कि इन प्रयोगशालाओं ने शायद कोविड-19 की कोई जांच की हो और जांच के लिए फर्जी प्रविष्टियां कीं और अवैध वित्तीय लाभ अर्जित करने के लिए फर्जी बिल बनाये। ईडी ने कहा, उन्हें (प्रयोगशालाओं) उत्तराखंड सरकार से आंशिक भुगतान के रूप में 3.4 करोड़ रुपये पहले ही मिल चुके हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी बताया कि कैसे इन डायग्नोस्टिक फर्मों ने कथित तौर पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में पाया गया कि इन प्रयोगशालाओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली यह थी कि उन्होंने कोरोना वायरस परीक्षण की बढ़ी हुई संख्या दिखाने के लिए एकल मोबाइल नंबर या झूठे मोबाइल नंबर, एकल पते या एक ही नमूना रेफरल फॉर्म (एसआरएफ) का इस्तेमाल कई व्यक्तियों के लिए किया था।

ईडी ने कहा कि इन प्रयोगशालाओं द्वारा झूठी नकारात्मक जांच के कारण, उस समय हरिद्वार में संक्रमण दर वास्तविक 5.3 प्रतिशत के मुकाबले 0.18 प्रतिशत थी। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक, कुंभ एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक राज्य में आयोजित किया गया था।

उपराष्ट्रपति नायडू ने चमन लाल पर डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने सरदार वल्लभ भाई पटेल कांफ्रेंस हॉल, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली में एक सार्वजनिक समारोह में चमन लाल पर स्मृति डाक टिकट जारी किया। समारोह में केंद्रीय संचार, रेलवे एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, संचार राज्यमंत्री देउसिंह चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस स्मृति डाक टिकट में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और संघ प्रचारक चमन लाल के जीवन और कार्यों को प्रमुख रूप से दशार्या गया है।

सियालकोट (अब पाकिस्तान में) में 25 मार्च, 1920 को जन्मे माननीय चमन लाल कम उम्र से ही लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए उत्साहित थे। यद्यपि वह स्वर्ण पदक विजेता थे और उन्हें कई नौकरियों के प्रस्ताव भी मिले थे, लेकिन लेकिन उन्होंने भारत विभाजन के पीड़ित लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के काम को चुना। अपनी लगन, जुनून और कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों की मदद के लिए एक संस्थागत व्यवस्था की और भारत की विदेश नीति के विभिन्न रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय चमन लाल सच्चे अर्थों में एक भारतीय संत थे, जिन्होंने हिस्सेदारी और देखभाल के दर्शन पर विश्वास किया और उनका अभ्यास किया। उन्होंने हमेशा राष्ट्र को सबसे पहले रखा और स्वयं को अंत में।

कार्टून

भारत और सुप्रीम कोर्ट की फटकार से एक्शन को मजबूर हुआ पाक

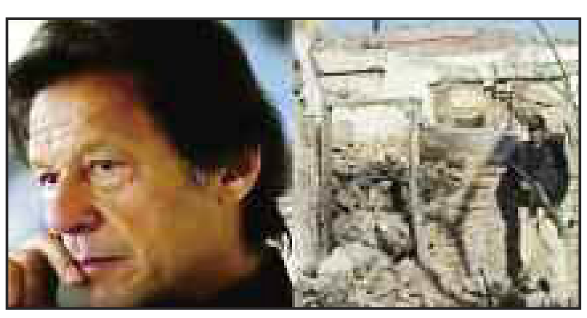

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हिन्दुओं के मंदिर पर हमला करने और उसे नुकसान पहुंचाने के मामले में भारत सरकार के प्रेशर का इमरान सरकार पर असर दिख रहा है। भारत सरकार के सख्त ऐतराज और पाक सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद पाकिस्तान की पुलिस हरकत में नजर आ रही है। पंजाब प्रांत की पुलिस ने शनिवार को कहा कि हिंदू मंदिर पर हमले में शामिल 20 लोगों को गिरफ्तार किया है और 150 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इतना ही नहीं, पुलिस ने बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार का काम भी शुरू हो गया है। दरअसल, मंदिर पर अटैक मामले में पुलिस की यह कार्रवाई उस फटकार के बाद आई है, जिसमें पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हमले को रोकने में विफल रहने के लिए अधिकारियों की खिंचाई की थी और दोषियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया था। न्यायालय ने कहा कि इस घटना ने विदेश में मुल्क की छवि खराब की है। जिला पुलिस अधिकारी रहीम यार खान असद सरफराज ने संवाददाताओं से कहा कि को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है, क्योंकि पुलिस वीडियो फुटेज के जरिए संदिग्धों की पहचान कर रही है। उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने में शामिल होने के लिए 150 से अधिक लोगों के खिलाफ आतंकवाद और पाकिस्तान दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हम इस अपराध में शामिल हर संदिग्ध को गिरफ्तार करेंगे। शीर्ष अदालत के आदेश पर मंदिर के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश गुलजार अहमद ने इस्लामाबाद में मामले पर सुनवाई की पाकिस्तान हिंदू परिषद के संरक्षक प्रमुख डॉ. रमेश कुमार के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात करने के बाद मामले पर स्वतः संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) इनाम गनी से पूछा, प्रशासन और पुलिस क्या कर रही थी, जब मंदिर पर हमला किया गया उन्होंने कहा कि इस हमले से दुनियाभर में पाकिस्तान की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। गनी ने कहा कि कि प्रशासन की प्राथमिकता मंदिर के आसपास 70 हिंदुओं के घरों की रक्षा करने की थी। उन्होंने बताया कि सहायक आयुक्त और सहायक पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर मौजूद थे। मुख्य न्यायाधीश इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने कहा, अगर आयुक्त, उपायुक्त और जिला पुलिस अधिकारी काम नहीं कर सकते तो उन्हें हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि पुलिस ने मूकदर्शक बनने के बजाय कुछ नहीं किया और यह भी नहीं

भारत में मिल गई चौथी कोविड वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महामारी कोविड-19 के खिलाफ जंग में वैक्सीन ही सबसे बड़ा हथियार है। अमेरिकी कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल डोज वैक्सीन को भारत में मंजरी मिल गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक ट्वीट में इसकी घोषणा की। यह देश में उपलब्ध होने वाली चौथी कोविड वैक्सीन होगी। सीरम इंस्टिट्यूट की कोविशील्ड (ऑक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका), भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और डॉ रेड्डीज की स्पूतनिक वी (रूस में डिवेलप) पहले से ही उपलब्ध हैं। सिप्ला को भी मॉडर्ना की वैक्सीन के इम्पोर्ट की इजाजत मिल चुकी है। जॉनसन एंड जॉनसन इस वैक्सीन का उत्पादन कैसे करेगी, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। मगर कंपनी ने यह जरूर कहा है कि उसकी ग्लोबल सप्लाई में बायोलॉजिकल ई की अहम भूमिका होगी। आइए आपको बताते हैं कि जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल वैक्सीन कैसे बनी है, कैसे काम करती है और कितनी असरदार है।

जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन कोविड-19 देने वाले सार्स-कोवि-2 वायरस के जेनेटिक मैटीरियल का इस्तेमाल करके बनाई गई है। इसे हैं। कई और वैक्सीन भी इसी तरीके से प्रोटेक्शन प्रदान करती हैं। एक बार शरीर में वैक्सीन पहुंच जाए तो यह बीमारी के खिलाफ ऐंटीबॉडीज तैयार करने का निर्देश देती है। चूंकि वैक्सीन में वायरस का पूरा जेनेटिक मैटीरियल नहीं होता, इसलिए वह लोगों को बीमार नहीं बना सकतीं। ऐसे में जब इम्युन सिस्टम जो ऐंटीबॉडीज बनाता है, वह असल वायरस को पहचान लेती हैं और उससे लड़ती हैं। जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन नॉन-रेप्लिकेटिंग वायरल वेक्टर वैक्सीन है। इसका मतलब यह है कि वैक्सीन के भीतर का जेनेटिक मैटीरियल शरीर के भीतर अपनी कॉपीज नहीं बनाएगा। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि जब वायरस

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमिल लोगों की संख्या बढ़ी , रोजाना एक लाख से भी ज्यादा मामले

बाल्टीमोर। अमेरिका में हर दिन कोविड-19 के औसतन 1,00,0000 नए मामले आ रहे हैं, जो सर्दियों में चरम पर पहुंचे मामलों से अधिक हैं। अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के कारण पिछले महीने संक्रमण के मामले और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ गयी। देश में जून के अंत से ही हर दिन औसतन 11,000 मामले आ रहे है। अब यह संख्या 1,07,143 है। यह वायरस उन लोगों में तेजी से फैल रहा है जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। फ्लोरिडा, लुइसियाना और मिसीसिप्पी में अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। अमेरिका में पहली बार नवंबर में संक्रमण के औसत मामले 1,00,000 के पार गए थे और जनवरी की शुरुआत तक करीब 2,50,000 पर पहुंच गए थे।

जुलाई में बढ़ोतरी के बीच अमेरिकी बेरोजगारी घटकर 5.4 प्रतिशत

वाशिंगटन। अमेरिका में जुलाई में बेरोजगारी दर गिरकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जबकि कोविड-19 के फिर से शुरू होने के साथ ही 943,000 नौकरियों का सृजन भी हुआ। इसकी जानकारी श्रम विभाग ने दी। विभाग के श्रम सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम आंकड़ों में जून में 938,000 की संशोधित संशोधित वृद्धि और मई में 614,000 की संशोधित बढ़ोतरी हुई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि जुलाई में, अवकाश और आतिथ्य में, स्थानीय सरकारी शिक्षा में और पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं में नौकरी का फायदा उल्लेखनीय था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अवकाश और आतिथ्य में रोजगार में 380,000 की बढ़ोतरी हुई, खाद्य सेवाओं और पीने के स्थानों में दो-तिहाई नौकरी हासिल हुई, लेकिन यह ध्यान में रखते हुए कि यह आंकड़ा 1.7 मिलियन या 10.3 प्रतिशत, इसके पूर्व-महामारी स्तर से कम था। पिछले महीने में अप्रत्याशित रूप से 0.1 प्रतिशत अंक बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो जाने के बाद, बेरोजगारी दर 0.5 प्रतिशत घटकर 5.4 प्रतिशत हो गई।

बिगड़ते मानवीय संकट के बीच यमन में कोविड मामले बढ़े

सना। यमन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने पिछले हफ्तों के दौरान सापेक्ष गिरावट के बाद दैनिक कोविड -19 मामलों में एक नई वृद्धि दर्ज की है क्योंकि युद्धग्रस्त देश भी सबसे खराब मानवीय संकट का सामना कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा नियंत्रित यमनी प्रांतों में, स्वास्थ्य अधिकारियों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन और पड़ोसी शहरों में आधिकारिक तौर पर 27 नए पुष्ट मामले दर्ज किए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अदन में 15 नए मामले, हद्रामौत प्रांत में पांच, शबवा प्रांत में तीन, तैज प्रांत में दो और लाहज प्रांत में दो नए मामले सामने आए, जिससे कुल पुष्ट मामले 7,131 हो गए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा टीमों ने देश के दक्षिणपूर्वी प्रांत हद्रामाउट में एक मौत दर्ज की, जिससे वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,384 हो गई। पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि कोविड के पुनरुत्थान ने आशंकाओं को जन्म दिया है कि युद्धग्रस्त अरब देश महामारी की तीसरी लहर का सामना कर रहा है।

बाइडन एडमिन ने छात्र ऋण पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि वह संघीय छात्र ऋण पर रोक को आखिरी बार 31 जनवरी, 2022 तक बढ़ा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शिक्षा सचिव मिगुएल कार्डोना के एक बयान में कहा, भुगतान विराम एक जीवन रेखा रहा है जिसने लाखों अमेरिकियों को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान छात्र ऋण के बजाय अपने परिवार, स्वास्थ्य और वित्त पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति दी। बयान में कहा गया है, विभाग का मानना है कि यह अतिरिक्त समय और एक निश्चित समाप्ति तारीख उधारकर्ताओं को भुगतान फिर से शुरू करने की योजना बनाने और फिर से शुरू होने के बाद अपराध और चूक के जोखिम को कम करने की अनुमति देगा। देश में छात्र ऋण भुगतान रोक दिया गया है क्योंकि कांग्रेस ने पिछले साल केयर्स अधिनियम पारित किया था, लेकिन सितंबर में समाप्त होने वाला था। इस ठहराव के दौरान, उधारकर्ताओं को भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है और उनकी शेष राशि पर ब्याज नहीं लगेगा। स्थानीय विश्लेषकों ने कहा कि देश के 1.6 ट्रिलियन डॉलर के छात्र ऋण बिलों को इकट्ठा करना सामान्य समय में भी एक कठिन काम है।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ साझेदारी जारी रखने को उत्सुक: अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया है कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ निरंतर साझेदारी करने और टीकों के रूप में सहायता प्रदान करने के लिए बाइडन प्रशासन उत्सुक है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने यहां संवाददाताओं में कहा कि भारत को टीके उपलब्ध करवाने में देरी अमेरिकी की वजह से नहीं हो रही।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम जब टीके भिजवा रहे हैं तो कहीं-कहीं पर कानूनी या नियामक मुद्दे सामने आ रहे हैं जिन्हें प्रत्येक देश के मुताबिक सुलझाना होगा।'' साकी ने कहा, ''यह रूकावट हमारी तरफ से नहीं आ रही बल्कि हम तो भारत के लोगों तक टीके पहुंचाने, उन्हें निरंतर सहायता देने के लिए उत्सुक हैं और वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निबटने को लेकर लगातार मदद देना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम उनके साथ लगातार सहयोग करने को उत्सुक हैं, टीकों के साथ-साथ उन्हें निरंतर सहायता देना चाहते हैं।

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए सहमति बनाने को दिया समर्थन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर भारत के जोर देने के बीच अमेरिका ने कहा कि वह स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए आम सहमति बनाने का समर्थन करता है बशर्ते इसकी प्रभावकारिता या क्षमता कम न हो और इसमें वीटों में परिवर्तन या उसका विस्तार न हो। अगस्त महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत के पास होने के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता समेत संयुक्त राष्ट्र में भारत के साथ काम करने को लेकर अहमियत देता है।

उन्होंने कहा, ''हम स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों के लिए सुरक्षा परिषद के मामूली विस्तार के लिए सहमति बनाने का समर्थन करते हैं बशर्ते इसकी प्रभावकारिता या क्षमता कम न हो और इसमें वीटो में परिवर्तन या उसका विस्तार न हो।'' वह उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या बाइडन प्रशासन को लगता है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। प्राइस ने कहा, ''हमारा मानना है कि सुरक्षा परिषद में ऐसा सुधार होना चाहिए, जिसमें सभी का प्रतिनिधित्व हो, प्रभावी हो और जो अमेरिका तथा संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के हित में प्रासंगिक हो। हम आगामी हफ्तों में सुरक्षा परिषद के संदर्भ में भारत के साथ निकटता से काम करने के अवसर को लेकर काफी उत्साहित हैं।'' गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद में लंबे समय से अटके सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयासों में भारत अग्रणी रहा है। उसका कहना है कि उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्य के तौर पर जगह मिलनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का अगला सत्र सितंबर में होगा। अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य देश हैं। ये पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं तथा ये देश किसी भी प्रस्ताव पर वीटो कर सकते हैं। सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है। प्राइस ने कहा कि भारत और अमेरिका के कई साझा मूल्य और साझा हित हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हमारी भारत के साथ व्यापक रणनीतिक भागीदारी है जो हमें कई स्तरों पर एकजुट करती है। हम इस महीने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के संदर्भ में भारत सरकार के साथ बहुत निकटता से काम करने को लेकर तत्पर हैं।

नाइजीरिया में 44 लाख लोग गंभीर भोजन की कमी का सामना कर रहे हैं: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों सहित अनुमानित 44 लाख लोग पूर्वोत्तर नाइजीरिया में भोजन की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। समाचार एजेंसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से कहा कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने चेतावनी दी है कि उनमें से 775,000 लोगों को विनाशकारी खाद्य असुरक्षा का अत्यधिक खतरा है। हक ने कहा, यह चार वर्षों में सबसे खराब दृष्टिकोण है। निरंतर धन के बिना, बोर्नो, अदामावा और योबे राज्यों में लाखों लोग संघर्ष, कोविड -19, उच्च खाद्य कीमतों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण दुबले मौसम के दौरान खुद को खिलाने के लिए संघर्ष करेंगे। फसल के बीच, साहेल में दुबला मौसम मई से अगस्त है। प्रवक्ता के मुताबिक, इस साल कम बारिश ने किसानों के उत्पादन को कम कर दिया, जिससे फसल की आबादी सितंबर की फसल तक ले जाने के

लिए कम हो गई। उन्होंने कहा, हमारे सहयोगी हमें बताते हैं कि नाइजीरिया में 87 लाख लोगों को तत्काल सहायता की जरूरत है, जिसमें 22 लाख विस्थापित लोग भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहयोगी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में भोजन वितरण बढ़ाने के लिए सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ काम करते हैं। लेकिन सहायता कर्मियों और संपत्तियों को निशाना बनाने वाली हिंसा में वृद्धि ने इसे मुश्किल बना दिया है। बोको हराम और अन्य गैर-सरकारी तत्वों को इस साल की शुरूआत में हिंसा में पुनरुत्थान के लिए दोषी ठहराया गया है। नाइजीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय प्रतिक्रिया योजना केवल 100 करोड़ से अधिक की मांग करती है। ओसीएचए ने कहा, यह केवल एक तिहाई वित्त पोषित है।

इजरायल के पीएम ने अमेरिका में नए राजदूत की नियुक्ति की

तेल अवीव, (एजेंसी)।

इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने सेना के दिग्गज माइकल हजरेग को अमेरिका में देश का राजदूत नियुक्त किया है।

ट्विटर पर बेनेट ने घोषणा की, माइक सही समय पर सही व्यक्ति है। आईडीएफ (इजरायल रक्षा बलों) में अपनी 40 वर्षों की सेवा के दौरान, उन्होंने कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया और वर्षों में कई राजनीतिक बातचीत सक्रिय में भाग लिया। उनका अनुभव, कौशल और सुरक्षा और राजनीतिक क्षेत्र की समझ हमारे सबसे करीबी दोस्त (अमेरिका) के साथ संबंधों को प्रबंधित करने में हमारी मदद करेगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 69 वर्षीय हजरेग ने आईडीएफ में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है, जिसमें रणनीतिक योजना के प्रमुख, रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ और सैन्य सचिव शामिल हैं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों के तहत राजनीतिक वार्ता में भाग लिया और 2009 और 2014 के बीच पूर्व प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से एक विशेष राजनीतिक दूत के रूप में कार्य किया। वह इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हजरेग के भाई हैं। प्रधानमंत्री के अधिकारी द्वारा जारी एक बयान कहा, प्रधानमंत्री बेनेट ने सुरक्षा और राजनीतिक क्षेत्रों में अपने समृद्ध अनुभव और ईरानी परमाणु कार्यक्रम सहित इजरायल के सामने रणनीतिक मुद्दों के अपने गहन ज्ञान के कारण हजरेग को राजदूत के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया। हजरेग गिलाद एर्डन की जगह लेंगे, जिन्हें जून में नई बेनेट के नेतृत्व वाली सरकार के उद्घाटन के दो सप्ताह बाद अमेरिका में राजदूत के रूप में अपनी भूमिका पूरी करने के लिए कहा गया था। एर्डन को इस साल जनवरी में नियुक्त किया गया था। वह संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के दूत के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

गुब्बारों में आगजनी के जवाब में इजरायल ने गाजा पर हमला किया

तेल अवीव, (एजेंसी)।

इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को कहा कि वायु सेना ने गाजा पट्टी में हमले किए, जो यहूदी राज्य में तटीय क्षेत्र से आगजनी के गुब्बारों के लगातार प्रक्षेपण के जवाब में आया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने आईडीएफ के हवाले से कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी को नियंत्रित करने वाले फिलिस्तीनी इस्लामिक हमास मूवमेंट के एक सैन्य परिसर और रॉकेट लॉन्चिंग साइट पर हमला किया। आईडीएफ ने कहा, रॉकेट लॉन्चिंग साइट एक नागरिक क्षेत्र में थी और एक बार

फिर इस बात पर जोर दिया गया कि हमास फिलिस्तीनी नागरिकों को कैसे खतरे में डालता है। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि आग लगाने वाले गुब्बारों से गाजा पट्टी के करीब देश के क्षेत्र में चार जंगल में आग लग गई। इससे पहले शुक्रवार को, आईडीएफ ने कहा कि उसने बेरूत द्वारा इजरायली क्षेत्र में 10 से ज्यादा रॉकेट दागे जाने के जवाब में दक्षिणी लेबनान में लक्ष्य पर तोपखाने के गोले दागे थे। अधिकांश रॉकेट इजरायल के एंटी-रॉकेट आयरन डोम रक्षा प्रणाली द्वारा अवरोधित किए गए थे और बाकी खुले क्षेत्रों में उतरे थे। इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स और उत्तरी इजरायल के गलील पैनहैंडल इलाके में दागे गए रॉकेटों से कोई हताहत नहीं हुआ।

सिंगापुर : भारतीय समुदाय से सार्वभौमिक वैश्विक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अनुरोध

सिंगापुर। (एजेंसी)।

सिंगापुर के सांसद ने यहां के भारतीय कारोबारी समुदाय से आपस में जुड़ाव रखने वाले सार्वभौमिक वैश्विक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। सत्तारूढ़ 'पीपल्स एक्शन पार्टी' के सदस्य विक्रम नायर ने भारतीय समुदाय से कहा कि वैश्विक बहुराष्ट्रीय समुदाय की गहरी समझ विकसित करने के लिए वे और प्रयास करें। सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) की ओर से शुक्रवार को आयोजित 56वें 'नेशनल डे ऑब्जर्वेंस' समारोह में उन्होंने भारतीय कारोबारी समुदाय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

नायर ने कहा, ''हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह की इस वर्ष की थीम है 'टुगेदर, अवर सिंगापुर स्प्रिरिट' जो आज यहां मौजूद लोगों में वास्तव में झलक रही है क्योंकि यहां पर राष्ट्र के 56वें राष्ट्रीय दिवस का जश्न मनाने के लिए विभिन्न भारतीय संगठनों और चैंबर के सदस्य मौजूद हैं।'' एसआईसीसीआई ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर भारतीय कोविड राहत कोष के लिए दस लाख सिंगापुर डॉलर की राशि जुटाई है जो सिंगापुर रेड क्रॉस को भारत में मानवीय संकट से निबटने में मदद देने के लिए चिकित्सा उपकरण एवं आपूर्तियों की खरीद के लिए दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'नेशनल डे सेरेमोनियल परेड' सोमवार को होगी जिसमें सिंगापुर सशस्त्र बलों और होम टीम के करीब 600 सदस्य हिस्सा लेंगे। इस वर्ष की राष्ट्रीय दिवस परेड को 21 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया गया है और राष्ट्रीय दिवस के दिन रस्मी परेड का आयोजन हो रहा है। ऐसा कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर एहतियाती तौर पर किया जा रहा है।

अमेरिका ने भारत को टीके की सिर्फ 75 लाख खुराक दी, जो पर्याप्त नहीं है: राजा कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

शीर्ष भारतवंशी अमेरिकी सांसद ने कहा है कि अमेरिका ने भारत को कोविड-19 रोधी टीके की सिर्फ 75 लाख खुराकें आवंटित की है जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जो बाइडन प्रशासन से इस संबंध में और किए जाने का अनुरोध किया। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भारत और अन्य देशों में अमेरिकी वैश्विक टीका सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने के अपने प्रयासों पर कांग्रेस के 116 सदस्यों का समर्थन हासिल करने के बाद यह बात कही। उनका यह बयान ऐसे वक्त आया है जब व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ साझेदारी जारी रखने को लेकर तत्पर है और टीके समेत अन्य सहायता मुहैया कराना चाहता है।

कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा, ''मैं एक बार फिर राष्ट्रपति बाइडन और कांग्रेस में अपने सहयोगियों से आग्रह कर रहा हूं कि मानवता की भलाई की खातिर इस महामारी को समाप्त करने के लिए एक साथ आएं और नोविड अधिनियम को कानून में बदलें क्योंकि जब तक किसी भी देश में इसका प्रकोप जारी रहेगा, पूरी दुनिया को नए खतरे का सामना करना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत का स्वतंत्रता दिवस करीब है, हमें इस महामारी को वास्तव में समाप्त करने के लिए आवश्यक अरबों टीकों के उत्पादन और वितरण के लिए जरूरी वैश्विक साझेदारी बनाकर कोविड से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करने की आवश्यकता है।'' राजा कृष्णमूर्ति ने सीनेटर जेफ मर्कले, एलिजाबेथ वारेन और भारतवंशी महिला सांसद प्रमिला जयपाल के साथ मिलकर नोविड अधिनियम पेश किया जिसके तहत महामारी के संदर्भ में वैश्विक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया पर नजर रखने के लिए अमेरिका महामारी तैयारी और प्रतिक्रिया कार्यक्रम (पैनपीआरईपी) स्थापित करेगा।

अफगानिस्तान में तालिबान ने सरकारी मीडिया केंद्र के प्रमुख की हत्या के बाद दक्षिणी शहर पर किया कब्जा

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान ने शुक्रवार को हमला करके अफगान सरकार के सरकारी मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या कर दी। यह हाल के दिनों में किसी सरकारी अधिकारी की हत्या किये जाने का नवीनतम मामला है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब कुछ ही दिन पहले देश के कार्यवाहक रक्षा मंत्री की हत्या का प्रयास किया गया था। सरकारी मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या ऐसे समय की गई है जब तालिबान और अधिक क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में करने के लिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि अमेरिकी और नाटो बल महीने के अंत तक अफगानिस्तान से अपनी वापसी पूरी कर लेंगे।

तालिबान पिछले कई महीनों से पूरे अफगानिस्तान में संघर्ष कर रहा है और छोटे प्रशासनिक जिलों को अपने नियंत्रण में लेने के बाद अब प्रांतीय राजधानियों को नियंत्रण में करने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, प्रतीत होता है कि तालिबान ने शुक्रवार को दक्षिणी निमरूज प्रांत की राजधानी जरंज पर कब्जा कर लिया। हालांकि यह जीत प्रतीकात्मक है, लेकिन इसे बड़ी जीत माना जा रहा है। सरकार ने दावा किया है कि शहर के अहम बुनियादी ढांचों पर लड़ाई अब भी जारी है और जरंज पर कब्जा नहीं हुआ है, लेकिन तालिबाान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें स्थानीय हवाई अड्डे और शहर के प्रवेश बिंदुओं पर तालिबानी दिख रहे हैं। प्रांत के गवर्नर अब्दुल करीम बरहावी जरंज से भागकर शांतिपूर्ण चाहर बुर्जक जिले में शरण के लिए गए, जहां स्थानीय जातीय बलूच आबादी ने उन्हें संरक्षण दिया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने बताया कि लड़ाकों ने दावा खान मेनापाल को मार डाला है जो स्थानीय और विदेशी मीडिया के लिए अफगानिस्तान सरकार का प्रेस अभियान संचालित करते थे। वह पूर्व में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के उप प्रवक्ता रह चुके थे। गृह मंत्रालय के उप प्रवक्ता सैद हामिद रुशान ने कहा कि मेनापाल की हत्या साप्ताहिक जुमे की नमाज के वक्त हुई। गोलीबारी के बाद अफगान बल काबुल के उस इलाके में फैल गए जहां मेनापाल की तब हत्या कर दी गई जब वह अपनी कार में जा रहे थे। मुजाहिद ने बाद में जारी एक बयान में कहा कि मेनापाल को ''मुजाहिदीन के एक विशेष हमले में मारा गया'' और ''उसे उसके कृत्यों के लिए दंडित किया गया।'' तालिबान द्वारा सरकारी अधिकारियों की हत्या असामान्य नहीं है। नागरिकों के खिलाफ हाल में किये गए कई हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट द्वारा ली गई है, हालांकि सरकार अक्सर तालिबान को जिम्मेदार ठहराती है। इस सप्ताह मंगलवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री बिस्मिल्लाह खान मोहम्मदी को

निशाना बनाकर तालिबान द्वारा काबुल के एक भारी सुरक्षा वाले इलाके में किए गए बम हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए थे और 20 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि इसमें मंत्री को कोई नुकसान नहीं हुआ।

इस बीच, अफगान और अमेरिकी विमानों ने शुक्रवार को दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में तालिबान के ठिकानों पर हमला किया, क्योंकि विद्रोहियों ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ एक प्रमुख सीमा को बंद कर दिया था। हेलमंद की प्रांतीय राजधानी लश्कर गाह के निवासियों ने कहा कि हवाई हमलों में शहर के केंद्र में स्थित एक बाजार नष्ट हो गया जो तालिबान द्वारा नियंत्रित क्षेत्र था। अफगान अधिकारियों का कहना है कि तालिबान का अब शहर के 10 में से नौ जिलों पर नियंत्रण है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की दूत डेबोरा लियोन्स ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक विशेष बैठक में कहा कि भीषण होती लड़ाई में लोगों की मौत होना चिंताजनक है।

केजरीवाल ने दिल्ली में 24 घंटे जलापूर्ति, 100 फीसद पाइप लाइन को लेकर डीजेबी के साथ की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 24 घंटे जलापूर्ति करने, 100 फीसद पाइप लाइन नेटवर्क बिछाने, यमुना नदी की सफाई करने और 100 फीसद सीवरेज कनेक्टिविटी को लेकर चल रहे प्रोजेक्ट पर दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे में सुधार करते हुए यह भी सुनिश्चित करें कि हम दिल्ली में हर घर को 24 घंटे पानी की आपूर्ति समयबद्ध तरीके से कर सकें। दिल्ली में 100 फीसद सीवरेज कनेक्टिविटी प्रदान करने की परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए। सीएम ने कहा कि हमें दिल्ली की जनता से किए सभी वादे को सौ फीसद पूरा करना है। इसलिए अधिकारियों को जमीनी हकीकत की पूरी समझ होनी चाहिए कि हम कैसे बेहतर से बेहतर कर सकते हैं। इस दौरान दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन, डीजेबी के उपाध्यक्ष राधव चड्ढा, डीजेबी के निखिल कुमार के साथ डीजेबी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली जल बोर्ड के साथ दिल्ली में 24 घंटे पानी की आपूर्ति करने, 100 फीसदी पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने, यमुना नदी की सफाई और 100 फीसद सीवरेज नेटवर्क को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुनियादी ढांचे में सुधार करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि हम हर घर तक 24 घंटे पानी की आपूर्ति कर सकें। पूरी दिल्ली में 100 फीसद सीवरेज कनेक्टिविटी प्रदान करने की परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

समीक्षा बैठक में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के सामने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सीएम को अवगत कराया कि दिल्ली निवासियों को नल से 24 घंटे साफ पानी की आपूर्ति, यमुना की सफाई, 100 फीसद पाइप लाइन और 100 फीसद सीवरेज कनेक्टिविटी प्रदान करने को लेकर चल रही परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है।

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अवगत कराया कि यमुना में बहने वाले सभी अपशिष्ट जल/नालों को साफ करने के लिए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। एजेंसियों द्वारा अपशिष्ट जल का इन-सीटू उपचार शुरू किया गया है और इष्टतम स्तरों पर मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के बहिस्त्राव मापदंडों में गुणवत्ता सुधार किया गया है। अन्य उपायों के साथ अतिरिक्त एयरोशन सिस्टम और फ्लोटिंग एरेटर की स्थापना द्वारा सीवेज उपचार संयंत्र की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है।

डीजेबी अधिकारियों ने अवगत कराया कि दिल्ली में कुल अनाधिकृत और अधिकृत 1799 कालोनियां हैं। इन सभी कालोनियों में पाइप लाइन से जलापूर्ति करने की कवायद चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि अभी 1799 में से 1633 कालोनियों में पानी का नेटवर्क बिछा दिया गया है, जबकि वर्तमान में 1573 कालोनियों में पाइप लाइन से जलापूर्ति की जा रही है। इसके अलावा, अभी जलापूर्ति के लिए 60 कालोनियां अधिसूचित की गई हैं, जबकि अभी 166 कालोनियों में पाइप लाइन का नेटवर्क बिछाया जाएगा।

डीजेबी के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा मालवीय नगर, नांगलोई और महरौली-वसंत विहार जैसे कुछ क्षेत्रों में 24 घंटे पानी की आपूर्ति पहले से ही उपलब्ध कराई जा रही है, जिन्हें पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया गया था और यह 12 फीसद आबादी को पूरा कर रहा है। इसमें मालवीय नगर एरिया में 98 फीसद पाइप लाइन बिछाने काम पूरा हो गया है और शेष कार्य आगामी सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह, नांगलोई क्षेत्र में करीब 76 फीसद काम पूरा कर लिया गया है और शेष कार्य मार्च 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, मेहरौल वसंत विहार एरिया में 77 फीसद कार्य पूरा कर लिया गया है और बचा कार्य मार्च 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में, दिल्ली की 12 फीसद आबादी 24 घंटे जलापूर्ति सिस्टम के लिए 3 पायलट परियोजनाओं के अंतर्गत कवर की गई है और लगभग 11 फीसद आबादी चंद्रवाल डब्ल्यूटीपी की कमांड के तहत शुरू की जा रही 24ॐ7 परियोजनाओं के तहत कवर की जाएगी।

डीजेबी के अधिकारियों ने अवगत कराया कि दिल्ली में 100 फीसद सीवरेज सेवाओं के विस्तार के लिए बनाई गई कार्य योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। अप्रैल 2021 के बाद सीवरेज सेवा विस्तार के लिए दिल्ली की 55 कालोनियों को अधिसूचित किया है। बादली विधानसभा क्षेत्र में अतिरिक्त 12 कॉलोनियों की संख्या 08 जून 2021 को चालू की गई और जिससे कॉलोनियों की संख्या 561 से बढ़कर 573 हो गई है। डीडीए द्वारा 26 जून 2021 को जारी डीएसटीपी और एसपीएस के लिए भूमि के मानदंडों के संबंध में अधिसूचना लंबित 63 स्थानों पर भूमि आवंटन के लिए परिणाम प्रक्रिया अब डीडीए और दिल्ली के राजस्व विभाग की तरफ से शुरू की जा सकती है। नजफगढ़ ड्रेनेज जोन (जहां जमीन उपलब्ध है) में 08 स्थानों पर कनेक्टेड डीएसटीपी के साथ आंतरिक सीवरेज सिस्टम का अनुमान किया है और बोर्ड से प्रशासनिक अनुमोदन की प्रक्रिया में हैं।

हज हाउस के निर्माण का विरोध करने वालों पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में हज हाउस के निर्माण के विरोध में प्रदर्शन करने पर कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डीडीएमए के कोविड-19 से संबंधित दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए यह मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि द्वारका में हज हाउस के निर्माण का विरोध कर रहे अज्ञात लोगों के खिलाफ डीडीएमए के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारी ने कहा कि कानून की उपयुक्त धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। द्वारका के सेक्टर-22 में विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में वक्फ बोर्ड से संबंधित कई भूखंड हैं और वहां एक हज हाउस बनाया जा सकता है।

यों तो मेट्रो में खड़े होकर सफर करने पर रोक है लेकिन मेट्रो में इस तरह की भीड़ कई बार देखने को मिलती है। **फोटो: संजय सेखरी**

ऊर्जा मंत्री और परिवहन मंत्री ने दिल्ली ईवी फोरम में लिया हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत वर्चुअल दिल्ली ईवी फोरम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पॉलिसी की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के साथ-साथ संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। दोनों मंत्रियों ने इस पॉलिसी के मजबूत कार्यान्वयन के लिए सभी हितधारकों के बीच सहयोग और समन्वय बनाने पर बल दिया। इस दूरदर्शी पॉलिसी के तहत 2024 तक दिल्ली की सड़कों पर 25 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों को उतारने का लक्ष्य रखा गया है। दोनों मंत्रियों ने पर्यावरण पर इलेक्ट्रिक वाहनों के सकारात्मक प्रभावों पर भी बल दिया।

ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ईवी हमारा भविष्य है और हमें अपने पर्यावरण और समाज की सुरक्षा के लिए उस भविष्य की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के अभियान और जागरूकता के पहलुओं को जोरदार तरीके से चलाना चाहिए, ताकि उपभोक्तों में इसके प्रति विश्वास पैदा किया जा सके, जिससे इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की मांग में वृद्धि हो।

इस नीति का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के साथ-साथ चार्जिंग के लिए उचित बुनियादी ढांचा तैयार करना है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि कोविड-19 के कारण हम पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाए, लेकिन हम 2024 की समय सीमा तक 25 फीसद ईवी वाहनों के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन का भी ईवी मेकओवर होने जा रहा है। इस पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली में आने वाले कुछ महीनों में 5000 इलेक्ट्रिक ऑटो और 300 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। इसके अलावा, राजधानी में आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए समझौता ज्ञापनों पर तेजी से काम किया जा रहा है। ईवी पॉलिसी के पहले वर्ष के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने पर दिल्ली सरकार काम कर रही है। वांछित 25 फीसद लक्ष्य में से 3 फीसद का लक्ष्य कोविड-19 महामारी होने के बावजूद प्राप्त कर लिया गया है।

ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ईवी वाहनों की बिक्री तभी बढ़ेगी, जब हम जागरूकता फैलाएंगे और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत कम करने के लिए मिलकर काम करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि पूरी प्रक्रिया को हितधारकों के साथ मिलकर काम करके प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि ईवी का रखरखाव और उसकी खरीद सस्ती हो जाए।

दिल्ली सरकार ऐसी नीतियां बनाने की दिशा में काम कर रही है, जो पर्यावरण के अनुकूल हों और सतत विकास मॉडल पर केंद्रित हों। दिल्ली सरकार की दूरदर्शी ईवी पॉलिसी इस दिशा में एक बड़ा कदम है।

नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में शनिवार को भारी बारिश का आनंद लेते हुए लोग।

हंसराज हंस ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पीएम मोदी को सौंपी अपनी रिपोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली कैंट इलाके के ओल्ड नांगल के एक श्मशान घाट में नौ वर्षीय दलित बच्ची से कथित रेप के बाद हत्या मामले में सिसायत तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दलों के लोग पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें जल्द न्याय दिलाने और हरसंभव मदद का भरोसा दे रहे हैं। इस बीच, सूफी गायक और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हंसराज हंस ने दलित बच्ची से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। हंसराज हंस ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें घटना पर जमीनी रिपोर्ट तैयार करने की गुरुवार को जिम्मेदारी दी थी। हंस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशनुसार गुरुवार को उन्होंने पीड़ित परिजनों से मिलकर उन्हें प्रधानमंत्री का संदेश दिया कि परिवार को न्याय दिलाया जाएगा और दोषियों को उनके अंतिम अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। उन्होंने दावा किया कि परिवार से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया गया कि कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के बाद लड़की को जिंदा जला दिया गया था। भाजपा सांसद ने कहा कि मैं स्वभाव से सूफी हूं और एक कलाकार भी हूं। लड़की की मां और पिता के दर्द ने मुझे झकझोर दिया है। मैंने खुद रिपोर्ट लिखी और प्रधानमंत्री को सौंपी। गौरतलब है कि दिल्ली कैंट इलाके के एक श्मशान घाट में नौ वर्षीय बच्ची की पिछले दिनों संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके माता-पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बच्ची से दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई। उनका यह भी आरोप है कि दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के ओल्ड नांगल गांव में श्मशान घाट के पुजारी ने उनकी सहमति के बिना बच्ची का अंतिम संस्कार भी करा दिया। इस शर्मनाक घटना के विरोध में कुछ स्थानीय लोगों द्वारा धरना-प्रदर्शन किए जाने के बाद से मामला तूल पकड़ने लगा है। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में आरोपी पुजारी सहित चार लोगों के गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दी है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराने और परिवार को 10 लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की है।

दिल्ली के नंद नगरी इलाके में 3 मंजिला इमारत गिरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को हुई तेज बारिश के बाद उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं पुलिस और दमकल की तीन गाड़ियां बचाव एवं राहत कार्य में जुटी हैं।

दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के अनुसार, नंद नगरी स्थित ऑटो मार्केट में शनिवार को एक इमारत के ढहने के बाद मलबे में दबे दो लोगों को बचा लिया गया है। तलाशी अभियान अब भी जारी है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि राजधानी में न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम में सामान्य है। आईएमडी ने कहा था कि अगले दो घंटों के दौरान दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा, नोएडा, गाजियाबाद, खेकड़ा, दौराला, बड़ौत, मेरठ, मोदीनगर, हापुड़, खुर्जा, कासगंज, नरौरा, राया, नंदगांव और बरसाना में मध्यम दर्जे से भारी बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने ट्विटर पर कहा कि हरियाणा के भिवानी, गुरुग्राम, मानेसर, कोसली, गन्नौर, गोहाना, सोनीपत, कैथल, फरीदाबाद और सोहना तथा राजस्थान के भिवाड़ी, तिजारा, नदबई, नगर, डीग और लक्ष्मणगढ़ में भी ऐसा ही मौसम रहेगा। बहरहाल, आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में सापेक्ष आर्द्रता 81 प्रतिशत दर्ज की गई और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली के द्वारका में हज हाउस बनाने के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 22 इलाके में स्थित हज हाउस के खिलाफ विरोध की आवाजें उठ रही हैं और विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं. यहां अलॉट किया गया 5,000 स्क्वॉयर मीटर का प्लॉट पिछले 13 वर्षों से लगभग खाली पड़ा है. इसमें आज तक निर्माण गतिविधि नहीं हुई है मगर फिर भी यहां और आसपास के इलाके में हज हाउस को लेकर विरोध और नाराजगी है. हिंदू संगठनों की ओर से हज हाउस के प्लॉट के सामने हो रहे विरोध-प्रदर्शन में काफी संख्या में आसपास के लोग जुटाए गए हैं. राजनीतिक फायदे नुकसान को देखते हुए बीजेपी भी इस अभियान में शामिल हो गई है. बीजेपी दिल्ली के अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी प्रदर्शन में पहुंचे और इसको अपने समर्थन का ऐलान किया. प्रदर्शन करने वालों में बीजेपी के पूर्व विधायक सत्य प्रकाश राणा भी शामिल थे. उनका कहना है कि आखिर यहां पर ही क्यों हज हाउस बनाया जा रहा है. यहां मुस्लिमों की आबादी नहीं है. यहां पास में ही लड़कियों का कॉलेज बनाया जाएगा.

दिल्ली में हत्या कर फरार आरोपी हरिद्वार से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में सट्टा किंग की हत्या कर फरार चल रहे 50 हजार के इनामी बदमाश को रानीपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने एक 9 एमएम की पिस्टल व 15 जिंदा कारतूस बरामद किये हैं। हत्यारोपी दिल्ली में हत्या कर दो सालों से फरार चल रहा था। जोकि सिड़कुल क्षेत्र में अपनी पहचान छुपाकर रह रहा था और गारमेंटस की दुकान चला रहा था। हत्यारोपी पर दिल्ली के कई थानों में संगीन धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। जिसका खुलासा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेंथिल अबूदेई कृष्णराज एस ने रोशनाबाद पुलिस कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान किया। एसएसपी ने बताया कि रानीपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रानीपुर झाल की तरफ से आने वाले कच्चे रास्ते से टिहरी विस्थापित रपटे के पास एक स्कूटी सवार को रोकने का प्रयास किया गया जोकि पुलिस टीम को देखकर वापस भागने का प्रयास करने लगा। घेराबंदी कर स्कूटी सवार को पकड लिया। जिसकी तलाशी लेने पर स्कूटी सवार के कब्जे से एक पिस्टल 9 एमएम की पिस्टल, 15 जिन्दा कारतूस, मोबाईल फोन, आधार कार्ड बरामद हुआ। जिसको लेकर पुलिस कोतवाली रानीपुर पहुंची। जहां पर आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना नाम अब्बास उर्फ कासिम ऊर्फ राजू बेचैन ऊर्फ अनवर हुसैन पुत्र दिलावर हुसैन निवासी मकान नंबर क्यू-25 गली नंबर 18 ब्रहमपुरी थाना उस्मानपुर न्यू दिल्ली 53 स्थायी निवासी ग्राम सकानी थाना जहांगराबाद जनपद बुलंदशहर उत्तर प्रदेश बताते हुए खुलासा किया कि उसके द्वारा सितम्बर 2019 में अपने साथियों के साथ मिलकर न्यू उस्मानपुर नई दिल्ली में कुख्यात गैंगस्टर सट्टा किंग कलुवा सूफी को दिन दहाडे.सरेआम गोली मारकर हत्या कर फरार हो गया था। दिल्ली पुलिस की ओर से उसके ऊपर पचास हजार का इनाम घोषित किया गया है। एसएसपी ने बताया कि हत्यारोपी ने पूछताछ में बताया कि ग्राम सकानी थाना

जहांगिराबाद जनपद बुलँदशहर उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हैं, वर्तमान में परिवार सहित मकान नम्बर क्यू 25 गली न 18 ब्रहमपुरी थाना उस्मानपुर न्यू दिल्ली 53 में अपने मकान पर रहते हैं। वर्ष 2006 में दिल्ली के गली नंबर 19 उस्मानपुर में राकेश नाम का बदमाश हफ्रता वसूली करता था। उसके पिता मरहुम दिलावर हुसैन अपने मकान पर ही दुकान चलाते थे। एक दिन दुकान पर अब्बास बैठा था, पिताजी बाहर गये थे तो राकेश नाम का बदमाश हफ्ता लेने आया, उसने हफ्ता देने से मना कर दिया। जिस पर बदमाश राकेश ने उसका अपमान किया। जिस पर उसने राकेश को ठिकाने लगाने की ठान ली कि वह ईद के बाद उसका काम तमाम कर देगा। उन्होंने बताया कि अब्बास ने अपने साथियो के साथ मिलकर राकेश की उसके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी, उस वक्त वह नाबालिक था, इसलिए वह जल्द जमानत पर छूट गया। जिसके बाद उसके सम्पर्क अपराधियों से हो गये और दिल्ली में लूट, चोरी व हत्या जैसे जंघन्य अपराधों को अंजाम देता गया। एसएसपी ने बताया की राजू बेचैन ने अपना गैंग तैयार कर लिया।

पूर्वी दिल्ली। नन्द नगरी में मकान गिरा।

संपादकीय

साइबर दुनिया के उलझे खुलासे

इजरायली जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस पर खुलासे को लेकर देश-दुनिया में बवाल मचा हुआ है। यह पहला मौका नहीं है, जब किसी 'स्पाईवेयर' से चुनिंदा लोगों के फोन टैप करने के आरोप लगे हैं। इसके लिए अमूमन सरकारों को कठघरे में खड़ा किया जाता है, जबकि वे इससे इनकार करती रही हैं। दिक्कत यह है कि इन आरोप-प्रत्यारोपों में सच कभी सामने नहीं आ पाता। फिर, भारत ही नहीं, दुनिया भर में लोगों की याददाश्त इतनी छोटी होती है कि ऐसे खुलासों पर वे दो-तीन दिनों तक तो हंगामा करते हैं, और फिर सब कुछ भूलकर अपनी-अपनी राह पर बढ़ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'पॉलिसी वैक्यूम' की स्थिति है। वैश्विक स्तर पर ऐसा कोई साइबर कानून है ही नहीं, जो देशों को बाध्य कर सके कि वे इस तरह की गतिविधियां न करें या ऐसी हरकत को अंजाम देने वालों को कानून के सामने खड़ा कर सकें। नतीजतन, ऐसे खुलासे बेजा चले जाते हैं।

ऐसी घटनाएं सचेत करती हैं कि तीव्र इंटरनेट के इस युग में कोई भी खुद को 'पूरी तरह सुरक्षित' न समझे। अभी जिस पेगासस सॉफ्टवेयर से दुनिया भर के हारों लोगों की जासूसी की गई है, वह महज एक मिस्ड कॉल से मोबाइल में डाला जा सकता है। यह इतना शक्तिशाली सॉफ्टवेयर है कि मिस्ड कॉल का जवाब न देने पर भी यह आपके मोबाइल को अपने नियंत्रण में ले लेता है और आपकी हरेक गतिविधि को उस व्यक्ति तक पहुंचाता जाता है, जो इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल आपके खिलाफ कर रहा होता है।

समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को यह पता ही नहीं कि कब फोन उनका दुश्मन बन गया। इसीलिए हम नींद में बिल्कुल न रहें, बल्कि कुछ बुनियादी कदम उठाएं, ताकि अपना और अपने डाटा को सुरक्षित रख सकें। सबसे पहले, हमें साइबर सुरक्षा का महत्व समझना होगा और इसे जीवन जीने की एक शैली के रूप में अपनाना होगा। यह सोच गलत है कि सरकार साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह सरकार की ही नहीं, हरेक व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है। अपनी डिजिटल गतिविधियों को लेकर जितने सतर्क और जागरूक हम खुद होंगे, उतना ही ज्यादा हम सुरक्षित रह सकेंगे।

दूसरी बात, सावधानी और सतर्कता को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएं। इंटरनेट सेवा देने वाली कंपनी से यह कतई अपेक्षा न रखें कि वह आपके डाटा का संरक्षण करेगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कई लोकप्रिय सोशल मीडिया एप के सर्वर भारत में नहीं हैं। इतना ही नहीं, अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (मोबाइल, कंप्यूटर आदि) की हर दो-तीन दिनों में जांच करें। उसमें अगर ऐसी कोई फाइल या एप दिखे, जो आपने 'डाउनलोड' नहीं किए है, तो उसे तत्काल हटा दें। जिस एप का इस्तेमाल किए 15-20 दिन हो जाएं, उसे भी 'डिलीट' कर दें, क्योंकि ऐसे एप से भी डाटा चुराए जा सकते हैं। तीसरी बात, हममें से अधिकांश लोग इंटरनेट पर जो कुछ भी देखते-सुनते हैं, उन पर बहुत आसानी से विश्वास कर लेते हैं। इस विश्वास को 'अविश्वास' में बदलने का वक्त आ गया है। हरेक जानकारी को तब तक शक की नजर से देखें, जब तक आप खुद उसकी सच्चाई को लेकर संतुष्ट न हो जाएं। इतना ही नहीं, 'नीड टु नो' (जानने की जरूरत) के आधार पर अपनी जानकारी साझा करें। यानी, उसे ही अपने बारे में बताएं, जिन्हें आप जानते हैं। दुनिया भर में यह जाहिर करने की जरूरत नहीं है कि आपके कितने दोस्त हैं और किस पहर, कितने घंटे आप काम कर रहे हैं?

चूंकि साइबर अपराधियों का मुख्य मकसद निजता का उल्लंघन करके नुकसान पहुंचाना होता है, इसलिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को सुरक्षित रखने के लिए फायरवॉल और एंटी-वायरस का जरूर इस्तेमाल करें। फायरवॉल का मकसद उपकरण के अंदर सुरक्षा की ऐसी दीवार बनाना है, जिसे यदि कोई भेदने की कोशिश करता है, तो यह न सिर्फ उसको रोकता है, बल्कि इसकी सूचना भी तत्काल दे देता है। फोन टैपिंग में भी किसी न किसी तरह से सॉफ्टवेयर को मोबाइल में 'इंस्टॉल' किया जाता है। यदि फायरवॉल मजबूत हो, तो इसकी हमें पहले ही सूचना मिल सकती है। अच्छी बात है कि इंटरनेट पर मुफ्त में फायरवॉल उपलब्ध हैं, जिनका हम इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी तरह, एंटी-वायरस से भी हमारे डाटा को सुरक्षित रखता है। यह भी इंटरनेट पर मुफ्त में उपलब्ध है, लेकिन बेहतर एंटी-वायरस के लिए हमें पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। कोशिश करें कि कम से कम एप मोबाइल में रखें, क्योंकि हर एप एक जासूस का काम कर सकता है। वही एप डाउनलोड करें, जिसकी शर्तों से आप वाकिफ तो हों ही, उसकी 'प्राइवेसी पॉलिसी' व 'कंज्यूमर रिव्यू' भी आप बखूबी समझ रहे हों। यह समझना बहुत जरूरी है कि कोई भी एप हमें मुफ्त में विश्वस्तरीय सेवा नहीं देता, बल्कि इसके बदले में वह हमें अपना उत्पाद समझता है और हमारे डाटा का इस्तेमाल अपने हित में करता है। इलेक्ट्रॉनिक फुटप्रिंट (पदचिह्न) भी स्पाईवेयर की खुराक होते हैं। यह वह 'धूल' है, जिसका इस्तेमाल करते हुए न सिर्फ सरकार और एजेंसियां हमें निशाना बना सकती हैं, बल्कि अपराधी भी हमें दबोच सकते हैं। इससे बचने के लिए हमें 'क्लीन टूल' का नियमित इस्तेमाल करना चाहिए। भारत अभी एक नई क्रांति से गुजर रहा है, जिसे मैं 'द ग्रेट इंडियन वोमेंटिंग रिवॉल्यूशन', यानी 'भारत की महान उल्टी क्रांति' कहता हूं। आज हर व्यक्ति इंटरनेट और सोशल मीडिया के मंचों पर अपना डाटा उल्टी कर रहा है। यही वजह है कि आजकल साइबर दुनिया से जुड़े वित्तीय अपराध बढ़ रहे हैं। असल में, ज्यादातर लोग यह समझते ही नहीं कि 'एचटीटीपीएस' के साथ शुरू होने वाली वेबसाइटों से ही आर्थिक लेन-देन करना चाहिए, 'एचटीटीपी' के साथ नहीं। फर्जी वेबसाइटों से लेन-देन करते वक्त आपके क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारी साइबर अपराधियों से साझा हो सकती है। यही वजह है कि फोन, कंप्यूटर आदि में महत्वपूर्ण सूचनाओं को 'सेव' न करने की सलाह दी जाती है। न्यू साइबर वर्ल्ड ऑर्डर पोस्ट कोविड-19 शीर्षक से प्रकाशित किताब में इस लेखक ने लिखा है कि जब दुनिया कोरोना महामारी पर विजय हासिल कर लेगी, तब साइबर की एक नई वैश्विक व्यवस्था से हम रूबरू होंगे। इसमें सरकारें बहुत ज्यादा शक्तिशाली हो जाएंगी और साइबर अपराध रोजमर्रा की घटना बन जाएंगे। जाहिर है, आम लोगों के डिजिटल और निजता के अधिकार पर जबर्दस्त प्रहार होने वाला है। इसलिए इस नए बदलते युग के लिए हम तैयार रहें।

प्रवीण कुमार सिंह

मध्य एशिया और भारत को एक मंच पर लाता कट्टरपंथ और अतिवाद का बढ़ता जोखिम

> ऐसे जटिल समीकरणों में भारत के लिए यही सही होगा कि वह मौके के हिसाब से अगला कदम उठाए। कुल मिलाकर मध्य एशिया दौरे पर जयशंकर अफगानिस्तान पर आमसहमति बनाने, मध्य एशिया में कनेक्टिविटी के मोर्चे पर स्पष्ट रुख अपनाने और इन देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ ही उन संभावनाओं के द्वार भी खोलने में सफल रहे, जो अभी तक बंद थे। चूंकि चीन इस क्षेत्र का एक अहम खिलाड़ी है इसलिए इसे उल्लेखनीय उपलब्धि कहा जाएगा कि यह सब बीजिंग के साथ तनातनी के दौर में भी संभव हो सका।

कोरोना के कहर से कुछ मुक्ति मिलने के बाद भारतीय विदेश नीति ने भी यकायक रफ्तार पकड़ी है। इसी सिलसिले में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल के दिनों में कई महत्वपूर्ण देशों की यात्रा की। बीते दिनों वह शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में भाग लेने के लिए ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे भी गए। दरअसल अफगानिस्तान में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम के बीच एससीओ बैठक की महत्ता और बढ़ गई। एससीओ बैठक के एजेंडे से यह सिद्ध भी हो गया, जहां अफगानिस्तान का मसला ही चर्चा के केंद्र में रहा। यह बहुत स्वाभाविक भी था, क्योंकि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेनाओं की विदाई के बाद अब यह उसके पड़ोसी देशों का दायित्व बन जाता है कि वे आतंक और अस्थिरता से पीड़ित इस देश पर विशेष रूप से ध्यान दें। अन्यथा अफगान धरती से निकली आतंक की चिंगारी रूस और चीन से लेकर मध्य एवं दक्षिण एशिया में अशांति की भीषण आग लगा सकती है। स्पष्ट है कि अफगानिस्तान को लेकर आस-पड़ोस के देशों पर दबाव बन रहा है। यह दबाव दुशांबे में भी महसूस किया गया। वहां बनी यह सहमति महत्वपूर्ण रही कि अफगानिस्तान में तालिबान को तब तक वैधानिकता और मान्यता मिलने से रही, जब तक कि वह सभी अफगान पक्षों और अंशभागियों के साथ एक मंच पर नहीं आता। इससे तालिबान पर एक प्रकार का दबाव तो बनेगा। इसकी पुष्टि अफगान सरकार के साथ उसकी वार्ता से भी हुई है।

अपने मध्य एशिया के दौरे पर जयशंकर कनेक्टिविटी से जुड़ी चर्चा के मंच पर भी सक्रिय रहे। न केवल अफगानिस्तान, बल्कि मध्य एशिया के अधिकांश देश लैंड लॉक्ड यानी भू-आबद्ध हैं। ऐसे में उनके समक्ष कनेक्टिविटी की बहुत

बड़ी चुनौती है। इससे पाकिस्तान और चीन जैसे देशों पर उनकी निर्भरता और बढ़ जाती है। इसके अपने दुष्परिणाम हैं। इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए जयशंकर ने उचित ही कहा कि कनेक्टिविटी की सुविधा के साथ ही देशों की संप्रभुता का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यानी सीपैक के संदर्भ में ऐसी परियोजनाओं के जोखिमों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। भारत की संवेदनाओं को दरकिनार कर ही चीन इस परियोजना पर आगे बढ़ा। भारत के प्रति चीन का बिगड़ैल रवैया केवल इसी परियोजना तक ही सीमित नहीं रहा है। इसके बावजूद वह अपने हितों को देखते हुए भारत को साधने में भी लगा है। दुशांबे में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने जयशंकर से संवाद का प्रयास भी किया, लेकिन भारतीय रुख चीन को लेकर एकदम स्पष्ट रहा कि तकरार और प्यार साथ नहीं चल सकते। चीन के ऐसे प्रयासों पर भारत ने उचित ही दोहराया कि जब तक सीमा पर पूर्व की यथास्थिति कायम नहीं हो जाती तब तक बींजग को वार्ता के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

भारत की विदेश नीति के दृष्टिकोण से मध्य एशिया एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन नीतिगत मोर्चे पर उसे उसकी महत्ता के अनुरूप स्थान नहीं मिल सका। जयशंकर इस विसंगति को दूर करने में लगे हैं। उनके नेतृत्व में भारत मध्य एशिया के साथ अपनी ऐतिहासिक कड़ियों को फिर से जोड़कर संबंधों को पुनर्जीवित करने में जुटा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने एससीओ बैठक में भाग लेने के अतिरिक्त ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान का दौरा भी किया। मध्य एशियाई देशों के मामले में जहां भारत के लिए व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं वहीं भू-राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए इन संभावनाओं को भुना पाना उतनी ही कठिन चुनौती भी है। यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है। गैस जैसे संसाधन के विपुल भंडार पर बैठे मध्य एशियाई देश भारत की ऊर्जा जरूरतों की दीर्घकालिक पूर्ति करने में सक्षम है। इस दिशा में अभी तक अपेक्षित प्रयास नहीं हुए हैं और जो हुए, वे भी अपेक्षा के अनुरूप सिरे नहीं चढ़ पाए। तापी गैस परियोजना को ही लें। तुर्कमेनिस्तान से भारत तक गैस आपूर्ति से जुड़ी यह परियोजना अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे साझेदारों के कारण अटकी हुई है। मध्य एशिया के साथ अपनी साझेदारी की राह में आने वाली ऐसी धरातलीय बाधाओं के बावजूद भारत ने अपनी कोशिशों की रफ्तार कम नहीं की है। जयशंकर का हालिया मध्य एशियाई दौरा इसी दिशा में एक अहम पड़ाव था। मध्य एशिया में कट्टरपंथ और अतिवाद का बढ़ता जोखिम भी मध्य एशिया और भारत को एक मंच पर लाता है, क्योंकि ये दोनों के समक्ष एक साझा चुनौती हैं, जिससे उन्हें मिलकर निपटना होगा।

बात अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे अस्थिर देशों से जुड़ी बाधाओं की ही नहीं है। इस क्षेत्र में चीन और रूस अत्यंत अहम खिलाड़ी हैं। दोनों ने यहां पश्चिमी देशों को अपने पैर नहीं जमाने दिए हैं। वहीं भारत के लिए एससीओ में मिले प्रवेश ने यहां एक राह जरूर बना दी है, लेकिन आगे की मंजिल उतनी आसान नहीं है। इसका कारण चीन का भारत के प्रति जगजाहिर रवैया है। रूस भारत का सदाबहार मित्र तो है, लेकिन मौजूदा हालात में यह देखने वाली बात होगी कि वह भारत का कितना और किस हद तक समर्थन जारी रखता है? इसकी वजह यही है कि पिछले कुछ समय से मास्को का पलड़ा एक हद तक बीजिंग की ओर झुका है। चीन भी दुनिया भर में आक्रामक तेवर दिखाने के बावजूद इस क्षेत्र में ऐसा कुछ नहीं करना चाहता, जिससे रूस को कोई नाराजगी हो। हालांकि रूस के साथ लगी चीनी सीमा से लेकर अन्य मध्य एशियाई देशों के मामले में चीन की दबी-छिपी मूल मंशा दिखती तो है, पर उसके कारण अभी तक किसी तनाव के संकेत नहीं दिखे हैं। ऐसे जटिल समीकरणों में भारत के लिए यही सही होगा कि वह मौके के हिसाब से अगला कदम उठाए। कुल मिलाकर मध्य एशिया दौरे पर जयशंकर अफगानिस्तान पर आमसहमति बनाने, मध्य एशिया में कनेक्टिविटी के मोर्चे पर स्पष्ट रुख अपनाने और इन देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ ही उन संभावनाओं के द्वार भी खोलने में सफल रहे, जो अभी तक बंद थे। चूंकि चीन इस क्षेत्र का एक अहम खिलाड़ी है इसलिए इसे उल्लेखनीय उपलब्धि कहा जाएगा कि यह सब बीजिंग के साथ तनातनी के दौर में भी संभव हो सका।

इतिहास को जब तक सही ढंग से पेश न किया जाए, तब तक वह नहीं हो सकता प्रेरणादायी

शिक्षा से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले इतिहास को दुरुस्त करने के लिए देशभर के शिक्षाविदों और विर्द्यार्थियों से सुझाव मांगे हैं। यह पहल तार्किक ही है, क्योंकि अभी जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह एकांगी और पक्षपातपूर्ण है। यह पढ़ाया जाता है कि भारतीय राजाओं ने बड़ी लड़ाई लड़ी और हार गए, किंतु उन्होंने जो युद्ध जीते, उसका वृत्तांत नहीं दिया जाता है। उदाहरण के लिए आठवीं शताब्दी में 36 वर्षों तक युद्ध कर अपने राज्य का विस्तार करते रहे कश्मीर के कर्कोटक नागवंशी सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड के बारे में स्कूली इतिहास की किताबें खामोश हैं। उन्होंने अरब के मुसलमान आक्रांताओं तथा तिब्बती सेनाओं को पीछे धकेला था। उनका राज्य पूरब में बंगाल, दक्षिण में कोंकण, पश्चिम में तुर्किस्तान और उत्तर पूर्व में तिब्बत तक फैला था। ललितादित्य ने कश्मीर में मार्तंड मंदिर बनवाया था। ग्यारहवीं शताब्दी में गजनवी सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी को पराजित करने वाले श्रावस्ती के राजा सुहेलदेव के बारे में भी स्कूली इतिहास की किताबों में सुसंगत विवरण नहीं मिलता। इसी तरह 1741 में डचों को हराने वाले राजा मार्तंड वर्मा के बारे में इतिहास की किताबें प्रकाश नहीं डालतीं। चोल, चालुक्य, देवबर्मन, अहोम राजाओं के बारे में भी इतिहास की किताबें लगभग मौन हैं। दक्षिण भारत से लेकर ओडिशा, बंगाल और पूर्वोत्तर के अनेक प्रतापी राजाओं ने दो-ढाई सौ वर्षों तक शासन किया, पर उनके बारे में स्कूली इतिहास की किताबों में यथोचित विवरण नहीं मिलता। स्कूलों में भारत का जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह मुख्यत॰ दिल्ली का इतिहास है। अभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे समय इतिहास के एकांगी पक्ष को दूर करने का सुअवसर हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

किसी भी देश का इतिहास कितना ही गौरवपूर्ण क्यों न हो, जब तक उसे सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया जाता, तब तक वह प्रेरणादायी नहीं हो सकता। बहुत कम पुस्तकें हैं जिनसे प्रेरणा ली जा सके । इस दृष्टि से काशीप्रसाद जायसवाल की किताब 'हिंदू राज्य तंत्र' और गोविंद सखाराम सरदेसाई द्वारा 12 खंडों में लिखी गई 'भारत का इतिहास' को मानक माना जा सकता है। हिंदू राज्य तंत्र पुस्तक दो खंडों में विभक्त है। पहले खंड में आरंभिक काल, महाभारत काल के राजनीतिक ग्रंथ, चौथी एवं पांचवीं शताब्दी के ग्रंथों, हिंदू धर्मशास्त्रकारों के चौदहवीं से अठारहवीं शताब्दी तक के ग्रंथों, छठी एवं सातवीं शताब्दी के ग्रंथों और आरंभिक मध्य युग के ग्रंथों, नीति एवं धर्म संबंधी ग्रंथों का विवेचन किया गया है। उसके बाद सभा-समितियों के कार्य का विवरण देते हुए हिंदू प्रजातंत्रों के आरंभ का इतिहास बताया गया है। बौद्ध संघ के प्रजातंत्र से लेकर हिंदू प्रजातंत्र का विवरण दिया गया है। मौर्य साम्राज्य, वैदिक काल, हिंदू एकराजत्व का विवरण भी विस्तार से दिया गया है। जायसवाल ने भारतीय दृष्टि से इतिहास लिखा। वही काम गोंविद सखाराम सरदेसाई ने किया। उन्होंने 1000 से 1857 तक का 'भारत का इतिहास' बारह खंडों में लिखकर मुसलमान, मराठा और अंग्रेजों के इतिहास का व्यापक, सही और सुसंगत विवरण दिया।

इतिहास में केवल प्रामाणिक तथ्य दिए जाते हैं। पात्र, परिस्थितियां और घटनाएं इतिहाससम्मत होती हैं और इतिहास लिखने वाले के पास उन्हें प्रामाणिक सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सामग्री होती है, किंतु समस्या तब होती है जब किसी ऐतिहासिक घटना को लेकर इतिहासकारों में मतैक्य न हो। जैसे 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बारे में इतिहासकारों के चार मत हैं। एक मत उन अंग्रेजपरस्त अध्येताओं का है कि 1857 की जनक्रांति गदर-विफल बगावत थी। दूसरा मत उन अध्येताओं का है कि वह जनक्रांति भारतीय सामंतों के स्वार्थ की लड़ाई थी। तीसरे मत में कुछ अध्येताओं ने उस क्रांति में आदिवासियों, दलितों एवं अन्य छोटी जातियों के अन्याय विरोधी संघर्ष की झलक देखी थी तो चौथे मत के इतिहासकारों की राय में 1857 का संग्राम अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के उत्कट बलिदानों से भरा एक सुनियोजित महासंग्राम था। राष्ट्रीय चेतना जगाने और अंग्रेजी राज्य से मुक्ति का वह पहला संगठित आंदोलन देश की मर्यादा और आत्मसम्मान के लिए लड़ा गया था। तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं और संग्रहालयों में उसके इतने प्रमाण हैं कि कोई उससे किनारा नहीं कर सकता। चौथा मत इसलिए सर्वाधिक मान्य हुआ, क्योंकि वह इतिहास भारतीय दृष्टि से लिखा गया। इसके अलावा उन सभी गैर-राजनीतिक व्यक्तियों का इतिहास भी पढ़ाया जाना चाहिए, जिनका समाज पर असर या जिनका राष्ट्र निर्माण में योगदान रहा हो। जैसे कबीर का जो प्रभाव समाज पर रहा है, उसे केवल साहित्य नहीं इतिहास में भी शामिल करना चाहिए। उसी तरह इतिहास के विद्यार्थियों को शंकराचार्य के बारे में भी बताया जाना चाहिए कि किस तरह उन्होंने पूरब में गोवर्धन मठ, पश्चिम में शारदा मठ, उत्तर में ज्योतिर्मठ और दक्षिण में शृंगेरी मठ की स्थापना की। चारों दिशाओं में स्थापित होने वाले ये मठ भारत की एकता का परिचय देने वाले चिन्ह हैं। इसी तरह यह भी बताया जाए कि किस तरह स्वामी विवेकानंद ने पश्चिम को वेदांत और योग से परिचित कराते हुए यह बोध कराया था कि वेदांत में सभी धर्मो की एकात्मकता व्यक्त होती है।

क्या आ गई तीसरी लहर

कोरोना के नए केसों की संख्या में फिर बढ़ोतरी शुरू हो गई है। मई में दूसरी लहर की पीक के बाद से हर हफ्ते नए केसों की संख्या कम होते जाने का सिलसिला पिछले सप्ताह थम गया। खास बात यह कि कोरोना के सबसे ज्यादा मामले भले केरल में पाए जा रहे हों, नए केसों में बढ़ोतरी दिल्ली समेत 13 राज्यों में देखी गई है। खासकर पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तो यह बढ़ोतरी क्रमश॰ 64 फीसदी और 61 फीसदी की है। जाहिर है, तीसरी लहर के जिस खतरे की बात लगातार की जा रही थी, वह अब करीब आ गया है। दुनिया के कई अन्य देश कोरोना संक्रमण की तेजी से बढ़ती संख्या की चपेट में हैं।

जापान में ओलिंपिक खेल तो कार्यक्रम के मुताबिक चल रहे हैं, लेकिन कोविड केसों की बढ़ती संख्या के चलते देश के कई हिस्सों में आपातकाल लागू करना पड़ा है। चीन तो कोरोना से उबर चुका था, लेकिन वहां भी इसने फिर तेजी से सिर उठाया है। नानजिंग शहर इसका नया केंद्र है। 50 फीसदी से ज्यादा आबादी का टीकाकरण हो जाने के बावजूद अमेरिका में भी कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है और काफी हद तक यूरोपीय देशों में भी। अपने देश में तो टीकाकरण की रफ्तार भी काफी कम है। करीब 94 करोड़ की वयस्क आबादी में से जुलाई के अंत तक 10.3 करोड़ लोगों को ही वैक्सीन की दोनों डोज लगी थी। यानी लगभग 11 फीसदी।

हाल में सीरो सर्वे के आंकड़ों ने जरूर राहत दी थी, लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि उसी सर्वे के मुताबिक करीब 40 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनमें एंटी बॉडीज नहीं डिवेलप हुई हैं। जाहिर है, किसी भी तर्क से हम तीसरी लहर के खतरे को कम करके नहीं आंक सकते। ऐसे में बचाव के उपायों को तेज करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा पहला उपाय टीकाकरण की रफ्तार को यथासंभव तेज करना ही है। पक्ष और विरोध में होने वाली राजनीतिक बयानबाजियों को किनारे करके देखें तो पिछले महीने सरकार ने करीब 66 करोड़ डोज टीकों के ऑर्डर बुक किए हैं।

इसके मद्देनजर उम्मीद की जा सकती है कि टीकों की कमी की वैसी समस्या इस महीने नहीं रहेगी जैसी पिछले महीनों में दिखी थी। लेकिन तेज टीकाकरण की राह में यह एकमात्र बाधा नहीं है। सरकारी तंत्र की सीमाएं और आम लोगों की बेरुखी जैसी अड़चनें भी हैं। साल के अंत तक पूरी वयस्क आबादी को टीकाकरण के दायरे में लाने का लक्ष्य पूरा करना है तो रोज करीब 92 लाख डोज देने होंगे। मौजूदा औसत करीब 38 लाख का है। इसके अलावा नए-नए वैरिएंट पर टीकों का कितना असर होता है, यह भी देखना होगा।

जब अन्य समुदायों ने छोटे परिवार की महत्ता को समझ लिया, तब शेष समुदाय को भी समझ लेना चाहिए

> ऐसे में यह समझदारी नहीं कि हम जनसंख्या वृद्धि पर कुछ न करें। यदि जनसंख्या वृद्धि पर लगाम नहीं लगी तो अगले दो-तीन दशकों में उसमें 20-25 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे। ऐसा होने का मतलब है कि हमारे भूभाग के पर्यावरण पर और अधिक बोझ पड़ना। यह किसी से छिपा नहीं कि तेजी से बढ़ती आबादी पर्यावरण के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। यदि भारत अपनी आज की आबादी पर ही स्थिर हो जाए तो भी मानव संसाधन के तमाम सूचकांकों में विश्व के अग्रणी 20 देशों में पहुंचने के लिए जितने संसाधनों की जरूरत पड़ेगी, उनका पर्यावरण पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश विधि आयोग की ओर से जनसंख्या नियंत्रण कानून का मसौदा तैयार किए जाने के बाद बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनसंख्या नीति भी जारी कर दी। इसी के साथ जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जारी बहस और तेज हो गई। इसका एक कारण उत्तर प्रदेश की तरह असम सरकार की ओर से भी जनसंख्या नियंत्रण के उपाय करना है। कुछ नेता और बुद्धिजीवी उत्तर प्रदेश सरकार की जनसंख्या नियंत्रण की पहल को न केवल आगामी चुनावों से जोड़ रहे हैं, बल्कि यह भी कह रहे हैं कि इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को निशाने पर लेना है। ऐसे लोगों का यह भी मानना है कि इस पहल के सार्थक नतीजे सामने नहीं आएंगे, क्योंकि ऐसे प्रयास पहले भी विफल हो चुके हैं। इन लोगों का तर्क है कि जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए करीब दो-तीन दशक बाद देश की आबादी बढ़ने की दर स्थिर हो जाएगी। ये लोग एक तो इसकी अनदेखी कर रहे हैं कि अगले दो-तीन दशक तो जनसंख्या बढ़ती ही रहेगी और दूसरे, योगी सरकार की जनसंख्या नीति में कहीं भी यह संकेत तक नहीं किया गया कि उसका उद्देश्य किसी समुदाय विशेष की आबादी पर रोक लगाना है। वैसे जनसंख्या नियंत्रण की पहल को मुस्लिम समुदाय से जोड़ना एक तरह से इसकी स्वीकारोक्ति है कि इस समुदाय में अन्य समुदायों की अपेक्षा आबादी तेजी से बढ़ रही है।

पता नहीं जनसंख्या नियंत्रण की पहल का विरोध कर रहे लोग यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि जब अन्य समुदायों ने छोटे परिवार की महत्ता को समझ लिया है तब फिर उसे शेष समुदाय भी समझें तो इसमें बुराई क्या है? यदि शेष समुदाय भी छोटे परिवार की महत्ता समझ लेते हैं तो इससे उनका ही हित होगा। आखिर इस सत्य से मुंह मोड़ने का क्या मतलब कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम समुदाय की आबादी वृद्धि दर अधिक है? इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मुस्लिम समाज के बीच ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो यह प्रचार करते हैं कि अधिक बच्चे पैदा करने में ही उनकी भलाई है या फिर बच्चे तो अल्लाह की मर्जी से पैदा होते हैं। मुसलमानों के बीच यह भी प्रचार किया जाता है कि अपनी अहमियत बनाए रखने के लिए आबादी तेजी से बढ़ाएं।

आज भारत लगभग 1.4 अरब आबादी के साथ विश्व का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। अगले कुछ वर्षों में हम आबादी के मामले में चीन से भी आगे निकल जाएंगे। यह कोई उपलब्धि नहीं होगी। कुछ समय पहले तक हमारे समाजशास्त्री और राजनीतिज्ञ युवा आबादी को एक संपदा के तौर पर देखने के साथ यह मानकर चल रहे थे कि हम दूसरे देशों को मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सफल रहेंगे, लेकिन तब शायद किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि इंटरनेट आधारित तकनीक बहुत कुछ बदल देगी। बीते कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटीकरण का चलन जिस तेजी से बढ़ा है, उससे रोजगार के मौके कम होते जा रहे हैं। आने वाले दिनों में लोगों का काम मशीनें अधिक करेंगी। ऐसे में रोजगार का संकट और गहन होगा। आज चीन तेजी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स को अपनाकर अपने कारखानों की उत्पादकता को एक नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। यह स्थिति कई विकसित देशों की भी है। जहां इन देशों के कारखाने कर्मचारी रहित होते जा रहे हैं, वहीं भारत आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में बहुत पीछे है। कोविड काल में ऑफिस का काम घर से करने की जो सुविधा मिली, उसे अब स्थाई माना जा रहा है। तकनीक के इस्तेमाल के चलते आवाजाही कम होती जाएगी। इसका असर भी रोजगार के अवसरों पर पड़ेगा।

एक तर्क यह दिया जाता है कि जरूरी नहीं कि भारत हर बात को अपनाए, पर पिछले दिनों भारत ने ड्रोन के जरिये माल डिलीवरी की संभावनाएं टटोलीं। अगर यह प्रयोग सफल रहता है तो तमाम डिलीवरी ब्वॉय की नौकरियां जा सकती हैं। तकनीक इसी तरह अन्य क्षेत्रों की नौकरियों को भी कम करने का काम करेगी। आज विकसित देशों में जिस काम को दो-तीन लोग करते हैं, उसे भारत में आम तौर पर सात-आठ लोग करते हैं। उत्पादकता के इस कमजोर स्तर का खामियाजा देश को भोगना पड़ रहा है। हम विश्व के उत्पादकता सूचकांक में कहीं पीछे हैं। हमारी एक बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन इस क्षेत्र की हमारी उत्पादकता कई दक्षिण एशियाई देशों से भी कम है। एक तर्क यह भी है कि जब लोग शिक्षित होंगे तो स्वत॰ ही छोटे परिवार की महत्ता समझ जाएंगे, लेकिन शिक्षा का खराब स्तर किसी से छिपा नहीं। इसी तरह सभी इससे भी अवगत हैं कि हम अपनी जीडीपी का बहुत कम प्रतिशत शिक्षा पर खर्च कर पा रहे हैं। यदि हमारी आबादी इसी तरह बढ़ती रही तो फिर हम कभी भी शिक्षा पर पर्याप्त धनराशि खर्च नहीं कर पाएंगे और इसी तरह गरीबी से जूझते रहेंगे।

भारत या किसी भी देश के लिए यह संभव नहीं कि वह आधुनिक तकनीक से मुंह मोड़े रहे, क्योंकि जो देश तकनीक नहीं अपनाएगा वह पिछड़ता जाएगा और अपनी आबादी के रहन-सहन के स्तर को ऊपर नहीं उठा पाएगा। हम जितनी जल्दी यह समझें, उतना ही अच्छा कि हमें बढ़ती आबादी का बोझ कम करने की जरूरत है, क्योंकि बड़ी आबादी हमारी समृद्धि और विकास में बाधक है। तमाम विज्ञानियों का आकलन है कि अगर भारत खुद को तेजी से विकसित करेगा तो उसका पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

ऐसे में यह समझदारी नहीं कि हम जनसंख्या वृद्धि पर कुछ न करें। यदि जनसंख्या वृद्धि पर लगाम नहीं लगी तो अगले दो-तीन दशकों में उसमें 20-25 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे। ऐसा होने का मतलब है कि हमारे भूभाग के पर्यावरण पर और अधिक बोझ पड़ना। यह किसी से छिपा नहीं कि तेजी से बढ़ती आबादी पर्यावरण के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। यदि भारत अपनी आज की आबादी पर ही स्थिर हो जाए तो भी मानव संसाधन के तमाम सूचकांकों में विश्व के अग्रणी 20 देशों में पहुंचने के लिए जितने संसाधनों की जरूरत पड़ेगी, उनका पर्यावरण पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में बेहतर होगा कि असम, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की ओर से जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए जो उपाय किए जा रहे हैं, उनकी बेवजह आलोचना न की जाए। ऐसा करके हम अपना ही अहित कर रहे हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बैंककर्मियों ने खाताधारकों की सवा करोड़ राशि कर दी गायब

गोटेगांव में यूनियन बैंक का मामला

नरसिंहपुर, (एजेंसी)। गोटेगांव में एक बैंक के एक दो नहीं बल्कि दर्जनों खाताधारकों की करोड़ों रुपए की जमा पूंजी एकाएक उनके खातों से गायब हो गई।

यूनियन बैंक के एक खाता धारक अनिल पटेल के बैंक खाते से अचानक ही एफडी सहित 18 लाख गायब हो गए तो वही मुकेश पटेल नाम के व्यक्ति के खाते से लगभग 10 लाख और संदीप पटेल नामक खाताधारक से खाते से लगभग 5 लाख रुपए निकल गए। इसी तरह लगभग दो दर्जन से अधिक खातों से राशि का आहरण हुआ जबकि खाताधारकों के मुताबिक उन्होंने किसी भी तरह का कोई लेनदेन अपने खातों और बैंक एटीएम के माध्यम से भी किया।

यूनियन बैंक की खाताधारकों की राशि बिना किसी खाताधारकों के जानकारी और ट्रांजैक्शन के गायब होने लगी और यह हैरान कर देने वाली जानकारी जब शिकायत के माध्यम से बैंक मैनेजर तक पहुंची और मामले में जांच शुरू हुई । अब तक की जांच में बैंक मैनेजर के मुताबिक लगभग करोड़ों से अधिक की राशि के गबन का मामला सामने आया। बैंक मैनेजर के मुताबिक लोगों की शिकायतों के आधार पर अब तक सवा करोड़ से अधिक राशि का फर्जी तरीके से खाताधारकों के खाते से आहरण किया गया है जो किसी और के द्वारा नहीं बल्कि बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत से ही अंजाम दिया गया है। हालांकि जांच की वजह से उनके नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं

जैसे-जैसे यूनियन बैंक के खातों से गवन की जानकारी खाताधारकों को लगी और उन्होंने जब अपने खातों का बैलेंस चेक कराया तो कई और खाताधारकों के खाते से राशि का गबन हो चुका है । गोटेगांव थाने में अब तक लगभग 8 लोग द्वारा 40 लाख से अधिक की राशि के गबन की शिकायत की जा चुकी है। जिस पर थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा द्वारा जांच की जा रही है। अभी गबन कर्ताओं के नाम सार्वजनिक करने से इनकार किया और जांच की बात कही।

पुणे में 66 लाख डकैती डालने वाले सात आरोपी सागर से गिरफ्तार

चाकू की नोक पर डॉक्टर के घर डाली थी डकैती

सागर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में लोनावाला शहर पुलिस थाना क्षेत्र में डॉक्टर के घर में डकैती डालकर 66 लाख रुपए से अधिक लूटकर भागे 7 आरोपियों को सागर पुलिस की मदद से पुणे पुलिस ने सागर से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 30.52 लाख रुपए नगद व सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। आरोपियों ने डकैती में लूट के रुपए से अपने शौक पूरे करने के लिए ब्रांडेड कपड़े, जूते और बाईक्स खरीदी हैं।

दरअसल, लोनावाला निवासी डॉ. हीरालाल खंडेलवाल के घर में 17 जून की रात 15 बदमाशों ने खिड़की के रास्ते घुसकर डकैती डाली थी। चाकू की नोंक पर डॉक्टर से 66.77 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए थे। वारदात सामने आते ही पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों की लोकेशन सागर जिले में मिली। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस ने सागर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह से संपर्क किया। लोनावाला थाने की टीम सागर पहुंची। राहतगढ़ थाना प्रभारी आनंद राज के साथ टीम ने राहतगढ़ क्षेत्र के ग्राम डाबरी से विजय पटेल और दो नाबालिगों को पकड़ा। वहीं सागर के मोतीनगर क्षेत्र से आरोपी हेमंत कुशवाहा, गोविंद कुशवाहा, प्रदीप धानक और दौलत कुशवाहा को गिरफ्तार किया है। वहीं सागर निवासी आरोपी राजा और वासू फरार है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात व नकद 30 लाख 52 हजार से अधिक का माल बरामद किया गया है। वारदात करने के बाद आरोपी लूटे हुए रुपए लेकर सागर आ गए। सागर में आरोपी अपने शौक पूरे करने के लिए रुपए खर्च करने लगे।

मंदसौर का कुख्यात तस्कर 1.10 करोड़ की एमडी के साथ धराया

इंदौर, (एजेंसी)। शनिवार को क्राइम ब्रांच ने एक मंदसौर के कुख्यात तस्कर को 1.10 करोड़ की एमडी सहित गिरफ्तार किया है।

एक मुखबिर ने क्राइम ब्रांच को बताया कि मंदसौर जिले का एक बड़ा तस्कर अय्यूब कल्लू शाह निवासी शामगढ़ जिला मंदसौर एमडी ड्रग्स की बड़े पैमाने की तस्करी में लिप्त है । ये एमडी की खेप लेकर मंदसौर से लेकर इन्दौर ग्राहकों की तलाश में आने वाला है। ये छत्रपति शिवाजी चैराहा (भुट्टा चौपाटी) सांवेर बायपास इंदौर -उज्जैन रोड पर आयेगा। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम स्पाट पर पहुंची। टीम मुखबिर के बताए हुलिए के व्यक्ति का इंतजार करने लगे। कुछ ही देर बाद टीम को बताये हुलिये का व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 40 से 45 साल के आसपास लग रही थी यात्री प्रतिक्षालय पर दिखाई दिया। टीम ने घेराबंदी कर उक्त सन्देही को दबौच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अय्यूब पिता कल्लू शाह उम्र 40 साल निवासी एकलव्य स्कूल के पास माकडी रोड शामगढ,जिला मंदसौर बताया । उसके पास से भूरे मटमैले रंग का पीट्टू बैग बरामद किया गया। उसमें एक थैली रखी हुई थी जिसकी पड़ताल करने पर उसमें से एक किलो 100 ग्राम एमडी बरामद हुई। अय्यूब से 2 मोबाइल हैंडसेट नगदी 1450/- रुपये भी जब्त किए गए।

बैंड बाजे से लेकर ड्रग्स तस्करी तक अय्यूब

आरोपी अय्युब उर्फ मारसाहब ने बताया कि वह 70 किलो एमडी ड्रग्स मामले में गिरफ्तार आरोपी रईसउद्दीन खान व दिनेश अग्रवाल को अच्छे से जानता है और एमडी ड्रग्स के संबंध में इन्ही से बात-चीत होती थी और जेल जाने से पहले भी दिनेश अग्रवाल और रईस व अन्य का माल दिया था । वह ये माल बाजार में खपा चुका है। इसके पास दूसरे राज्यों के तस्कर संपर्क कर आते रहते है और उनके माध्यम से दिनेश व रईस द्वारा दिया गया माल बिकवाया जाता है। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से बैंड बाजे का कामकाज करता है और इसी काम के दौरान टैंट कारोबारी दिनेश अग्रवाल से मुलाकात हुई थी । एम.डी ड्रग्स के सिलसिले में रईस से मुलाकात हुई थी।

ताप्ती नदी में नहाने गए दो छात्रों की डूबने से मौत

बुरहानपुर। शनिवार सुबह ताप्ती के राजघाट में नहाने गए दो छात्रों की फिर डूबने से मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे बाद बोट लेकर पहुंचे होमगार्ड जवानों ने दोनों छात्रों के शव बाहर निकाले।

पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे द्वारकापुरी लालबाग निवासी 18 वर्षीय शाश्वत छापड़िया अपने दोस्त रास्तीपुरा निवासी 20 वर्षीय कृष्ण कुमार बुंदेला के साथ राजघाट में किले की ओर नहाने पहुंचा था। दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि वहां गहराई कितनी है। संभवतः दोनों तैरना भी नहीं जानते थे। वहां नहा रहे कुछ लोगों ने दोनों को डूबते देखा तो शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी।

गुना -अशोकनगर जिले में बारिश से ग्वालियर-चंबल में फिर बढ़ीं मुश्किलें

मुरैना में चंबल, शिवपुरी में कूनो ,भिंड में सिंध और क्वारी नदी में तेजी से बढ़ा पानी

भोपाल, (एजेंसी)। पिछले दिनों गुना, अशोकनगर, राजगढ़ और विदिशा में हुई मूसलाधार बारिश से ग्वालियर और चंबल की नदियों में जलस्तर फिर से बढ़ गया है। जहां मुरैना में चंबल खतरे के निशान से उपर बह रही है, वही शिवपुरी और भिंड में सिंध और क्वारी नदी में भी पानी तेजी से बढ़ने लगा है।

मुरैना जिले में चंबल नदी का जलस्तर शुक्रवार घटने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन शनिवार को फिर से बढ़ने से लोगों की चिंता बढ़ गयी है। शनिवार को शाम को चंबल नदी का जल स्तर 141.40 मीटर पर पहुंच गया है, जबकि शुक्रवार को यह घटकर 140.10 मीटर पर आ गया था।

दो दिन पूर्व कोटा वैराज बांध से पानी छोड़े जाने के बाद चंबल खतरे के निशान 138 मीटर को पार करते हुए 144.9 मीटर पर बहने से किनारे बसे गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इस बार चंबल नदी का जल स्तर बढ़ने का कारण कोटा बैराज बांध से छोड़ा गया पानी नहीं, बल्कि गुना और शिवपुरी में हो रही तेज बारिश है। इस क्षेत्र की बारिश का पानी पार्वती नदी के जरिए चंबल में आकर मिल गया है। शुक्रवार से घट रहे जल स्तर से लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन शनिवार को बढ़े जलस्तर ने साफ कर दिया कि बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है।

शिवपुरी में ग्रामीणों की किया रेस्क्यू

इधर शिवपुरी जिले के बदरवास तहसील के ग्राम पंचायत रेंजाघाट में सिंध का पानी जा घुसा। जल स्तर इतना अधिक बढ़ गया कि लोगों को अपनी जान बचाना मुश्किल पड़ गया। जानकारी लगते ही प्रशासन की टीम एनडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर जा पहुंची और रेस्क्यू कर ग्रामीणों को बमुश्किल वाहर निकाला जा सका।

भिंड में क्वारी नदी के किनारे वाले दो गांव खाली कराए गए

सिंध नदी के ऊपर मप्र और उप्र की सीमा को जोड़ने वाला जखमौली का पुल टूट गया।

भिंड। जिले में शनिवार को क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ने से जिला प्रशासन द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है। क्वारी नदी के आसपास के गांव को खाली कराया जा रहा है। चंबल का जलस्तर शनिवार को फिर बढ़ गया। इसी तरह से सिंध नदी का भी एक मीटर जलस्तर बढ़ा है। लगातार जलस्तर बढ़ने से लोगों को टेंशन होने लगी है। इधर, जिले की क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। क्वारी नदी को लेकर पावई और देहात थाना क्षेत्र के कचैगरा और बगुलरी गांव को खाली कराया दिया गया है। इन क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी गई है।

सिंध नदी के उफान ने कई रास्ते किए बंद

शिवपुरी के खनियाधाना नगर अंतर्गत ग्राम देवखो के पास पुलिया टूटने से पेयजल सप्लाई क्षतिग्रस्त।

शिवपुरी। जिले के कोलारस अनुविभाग अंतर्गत बदरवास क्षेत्र में सिंध नदी में आये उफान के कारण रास्तों के कई पुलों के ऊपर से पानी बहने लगा। जिससे इन रास्तों को बंद करना पडा। इसी क्रम में बदरवास ईसागढ़ जाने वाले सारे रास्ते बंद हो गये। मजबूरन राहगीर बदरवास वाइपास पर सिंध नदी में पानी कम होने का इंतजार करते देखे गये। कोलारस अनुविभाग अंतर्गत बदरवास तहसील क्षेत्र में सिंध नदी से लगे सारे गांव में प्रशासन द्वारा गांव के ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया गया है। ग्राम रेन्जाघाट में प्रशासनिक अमला के साथ एनडीआरएफ की दो टीम बुलाकर 300 लोगों को बाहर निकाला गया है।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने मुरैना-श्योपुर के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का लिया जायजा, प्रभावितों से हुए रूबरू

मुरैना। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने शुक्रवार और शनिवार को मुरैना एवं श्योपुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हेलीकाप्टर से जायजा लिया और प्रभावितों से मिले। श्री तोमर ने बाढ़ प्रभावित गांवों में हुए नुकसान और वस्तुस्थिति का जायजा भी लिया। इस अवसर पर मुरैना और श्योपुर जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह भी उनके साथ थे।

इसके तोमर मुरैना जिले के पोरसा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत भदावली के भूपकापुरा में पहुंचकर बाढ़ प्रभावित ग्रामीणजनों से रूबरू हुए। तोमर ने ग्रामीणजनों को आश्वस्त किया कि वे ग्रामीणों की आंखों में आंसू नहीं देखना चाहते हैं। भले ही बाढ़ के कारण फसल, मकान एवं घर-गृहस्थी के सामान की क्षति हुई है। उसकी क्षतिपूर्ति केन्द्र और राज्य सरकार पूरी करेगी। श्री तोमर शुक्रवार को देर रात्रि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम भूपकापुरा में पहुंचे थे। केन्द्रीय मंत्री ने ग्रामीणजनों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समस्या के त्वरित समाधान करने के निर्देश दिये।

केंद्रीय मंत्री के काफिले को देखते ही आक्रोशित हो गए पीड़ित, एक व्यक्ति गाड़ी के आगे लेट गया

चंबल संभाग के श्योपुर जिले में बाढ़ से हुई क्षति का जायजा लेने गए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को शनिवार को लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। तोमर प्रभावितों से मिलने शहर के गणेश बाजार में पहुंचे, जहां लोगों में इतना आक्रोश था कि वह केंद्रीय मंत्री के काफिले को देखते ही आक्रोशित हो गए और मंत्री और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जतायी। खरादी बाजार में एक पीड़ित व्यक्ति तोमर की गाड़ी के आगे लेट गया, लेकिन पुलिस ने उसे तत्काल खींचकर उठा लिया। इसी तरह गणेश मंदिर के पीछे श्री तोमर और प्रशासन के अधिकारियों को व्यापारियों की नाराजगी का सामना करना।

गुना में बाढ़ में फंसे 150 लोग एयरलिफ्ट किए

गुना। जिले के बम्होरी गांव में बाढ़ से फंसे लगभग डेढ़ सौ लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। जिले के बम्होरी ग्राम में बाढ़ में फंसे लगभग डेढ़ सौ लोगों को एयरलिफ्ट करके राजस्थान के छाबड़ा ग्राम में रुकवाया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉल के माध्यम से ग्रामीणों से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया और उन्हें समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का भरोसा दिया।

मंत्री शाह ने सतना में निशुल्क राशन वितरण किया

वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने प्रभार के सतना जिले के कोठी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में हितग्राहियों को निशुल्क राशन वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने श्री जैन को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

उज्जैन। प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल जैन का शनिवार को निधन हो गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने दशहरा मैदान स्थित आवास पर पहुंचकर स्वर्गीय बाबूलाल जैन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन व ओम जैन एव परिजन मौजूद थे।

जंगल में झाड़ियों के बीच में मिला नवजात

सिंगरौली (आरएनएन)। माड़ा थाना की बंधौरा पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित ग्राम खैराही के जंगल में मीठू साकेत पत्नी अयोध्या लकड़ी बीनने के लिये गई थी। शाम 4 बजे जब वह जंगल में लकड़ी बीन रही थी। उसी समय उसे किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उसने पास जाकर देखा तो एक नवजात कपड़ों में लिपटा हुआ झाड़ियों के बीच में पड़ा है। मीठू उसे उठाकर अपने साथ घर लाई और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों ने 4.30 बजे पुलिस को सूचना दी। पुलिस महिला के घर पहुंची और नवजात बच्चे को मीठू के साथ पुराने जिला चिकित्सालय में स्थित एसएनसीयू पहुंची । वहां मौजूद डॉक्टर ने नवजात की जांच कर उसे भर्ती कर लिया और उसका उपचार शुरू कर दिया। स्वस्थ है नवजात उपचार जारी चिकित्सक ने बताय कि बंधौरा पुलिस और एक ग्रामीण महिला द्वारा लाया गया अज्ञात नवजात बच्चा फिलहाल स्वस्थ है । वजन भी उसका लगभग ढाई किलो ग्राम है।

ब्रेक की बजाय एक्सीलेटर दबाया, कार पलटी, बाइक सवार की मौत

इंदौर। एबी रोड पर बीती रात लड़कियों की कार तीन पलटी खाकर फूड डिलीवरी बॉय को टक्कर मार उसके सिर के ऊपर से गुजर गई। इस हादसे में डिलीवरी बाय की मौत हो गई। चारों लड़कियां 12वीं पास होने की खुशी में पार्टी कर वापस लौट रहीं थी। कार ड्राइव कर रही लड़की ने ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया।

हादसा शुक्रवार रात राजेन्द्रनगर थाना क्षेत्र में गमले वाली पुलिया के पास हुआ। बाइक पर डिलीवरी बॉय देवीलाल के साथ सोनू नाम का लड़का भी बाइक पर बैठा था। उसने बताया कि तेज रफ्तार कार ने तेजपुर के आगे यू-टर्न लिया और इसके बाद बाइक पर चढ़ गई। वह टक्कर के बाद दूर गिर गया। लेकिन देवीलाल के ऊपर कार चढ़ गई। आरोपी लड़की ने बताया कि उसका पैर ब्रेक के बजाय एक्सीलेटर पर आ गया था। इस वजह से हादसा हो गया। चश्मदीदों ने बताया कि कार गार्गी माहेश्वरी चला रही थी। कार एमआईजी कॉलोनी के नितिन माहेश्वरी के नाम से रजिस्टर्ड है।

सिंहदेव ने भूपेश मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने का किया खंडन

मीडिया समन्वयक ने चैनल की खबर को बताया असत्य

रायपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के भूपेश मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की कथित रूप से एक समाचार चैनल तथा सोशल मीडिया में चल रही खबरों का उनके आफिस ने खंडन किया है।

श्री सिंहदेव के आफिशियल वाट्सएप मीडिया ग्रुप में उनके मीडिया समन्वयक राजेन्द्र सिंह परिहार ने शनिवार को पोस्ट किया कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा अपने पद से इस्तीफा देने की खबर केवल पूर्णतः असत्य और निराधार है। श्री टीएस सिंहदेव के विरुद्ध यह अफवाह फैलाई जा रही है,अतःआप सभी से निवेदन हैं कि ऐसी झूठी खबरों पर ध्यान नहीं दे..। यह अफवाह कौन फैला रहा है इसके बारे में उन्होंने कुछ नहीं कहा है। सिंहदेव को कांग्रेस में बगावत रोकने इस सप्ताह के शुरू में पार्टी कांग्रेस आलाकमान ने त्रिपुरा भेजा था,जिसकी रिपोर्ट देने के लिए वह दिल्ली पहुंचे,इसके बाद कई दिनों से वहीं पर हैं। इसी बीच उनके कथित रूप से इस्तीफे की खबरें कल से प्रचारित होने लगी। इससे पूर्व युवक कांग्रेस के कार्यक्रम में हिस्सा देने दिल्ली गए उनके कथित समर्थकों ने कांग्रेस मुख्यालय के बाहर उनके समर्थन में नारेबाजी की थी।

कुछ राजनीतिक जानकार इसे रामानुजगंज के विधायक वृहस्पत सिंह के विवाद से जोड़कर देख रहे है,तो कुछ इसे ढ़ाई वर्ष पूरे होने पर दबाव की राजनीति से जोड़ रहे है। सच जो भी हो पर लोग तीन चौथाई बहुमत हासिल करने वाले राज्य में भी कांग्रेस के लिए इसे उस स्थिति में ठीक नही मान रहे है,जबकि मुख्य विपक्षी दल ने अभी से ताकत झोकना शुरू कर दिया है।

सागौन प्लांटेशन के बीच मिला तेंदुए का 15 दिन पुराना कंकाल

सिवनी, (एजेंसी)। वन विकास निगम बरघाट प्रोजेक्ट के खवासा जंगल में तेंदुए का 15 दिन पुराना कंकाल वन अमले को गश्ती के दौरान मिला है। पीएम के बाद मृत तेंदुए का शव जला दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक उम्रदराज तेंदुए की स्वाभाविक मौत हुई है। कंकाल में सभी जरूरी अंग पाए गए हैं। विटनरी डॉक्टर से तेंदुए के कंकाल का पोस्टमार्टम कराने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में अवशेषों को जलाकर नष्ट कर दिया गया है।

सिवनी रेंजर दिनेश झारिया ने बताया कि पीएम रिपोर्ट से पता चला है कि मृत तेंदुए के दांत घिस चुके थे। मृत तेंदुए की उम्र करीब 12 साल रही होगी। मृत तेंदुआ नर था या मादा यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

बातचीत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में नि:शुल्क राशन वितरण कार्यक्रम

पीएम मोदी ने दीप कुमार और माया उईके से किया संवाद

सहजता से मिला राशन

भोपाल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतना जिले की नगर परिषद कोठी के वार्ड नंबर-13 निवासी दीप कुमार कोरी से वीसी से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने श्री कोरी से पूछा कि आप क्या करते हैं। अपने बारे में बताइए। दीप कुमार ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह मजदूरी करते हैं, साथ ही स्कूली बच्चों को कोचिंग पढ़ाते हैं। बीएससी और बीएड करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने पूछा कि राशन मिलने में कोई कठिनाई तो नहीं हुई। गरीब कल्याण अन्न योजना के अतिरिक्त राशन दुकान से और क्या-क्या लाभ मिल रहा है। हितग्राही दीप कुमार कोरी ने बताया कि उन्हें राशन सहजता से मिला है। राशन के अलावा एक-एक किलो नमक, शक्कर और 2 लीटर केरोसिन भी मिलता है। कोरोना काल में उन्हें निःशुल्क राशन मिला है, जो निरंतर रूप से मिल रहा है। इसके लिए कोरी ने प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया। दीप कुमार ने प्रधानमंत्री से संवाद कर प्रफुल्लित और गौरवान्वित होने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपसे बातचीत कर बेहद खुशी हुई। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सरकार का नारा नहीं संकल्प है।

मोदी ने पूछा- परिवार कैसे चलाती हो

भोपाल। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में नि:शुल्क राशन वितरण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होशंगाबाद के ग्राम सावलखेड़ा निवासी श्रीमती माया उईके से भी बात की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हितग्राही श्रीमती माया उईके से पूछा कि मैंने सुना है कि आप मजदूरी भी करती हैं और पूरा परिवार भी चलाती हैं। कोरोना के इस मुसीबत के कालखंड में आपको कोई दिक्कत आई क्या। श्रीमती माया उइके ने प्रधानमंत्री जी को बताया कि वे लेडीस सामान की दुकान चलाती हैं, कोरोना काल में तो उनकी दुकान अच्छे से नहीं चल पाई लेकिन प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत प्राप्त नि:शुल्क राशन उनके परिवार के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ और उनका घर अच्छे से चल पाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने माया उईके से पूछा कि आपकी पढ़ाई कितनी हुई है, आप सामान कहां से लाती हैं और कहां बेचती हैं और सामान बेचने कैसे जाती हैं। श्रीमती माया उइके ने बताया कि वे आठवीं पास हैं और वे होशंगाबाद से सामान लाकर आसपास के गांव में बेचती हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनसे पूछा कि उन्हें प्राथमिक सुविधाएं जैसे बिजली ,पानी और पक्का आवास आदि प्राप्त हैं अथवा नहीं। श्रीमती माया उइके ने बताया कि उन्हें बिजली, पानी आदि सभी पूरी प्राथमिक सुविधाएं मिल रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिंधिया आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाएंगे

भोपाल । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार, 8 अगस्त को हेलीकॉप्टर से ग्वालियर संभाग के अशोकनगर, गुना, शिवपुरी व ग्वालियर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने जाएंगे। सुबह 9.00 बजे जयविलास पैलेस से हैलीकॉप्टर द्वारा अशोकनगर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए रवाना होंगे। 10.30 बजे अशोकनगर में हैलीपैड पर जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। 11.00 बजे गुना जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई जायजा लेंगे। 12.00 बजे शिवपुरी जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा लेंगे। 5.00 बजे ग्वालियर भितरवार तहसील के ग्राम पलायछा पहुंचेंगे और वहां पर बाढ़ प्रभावित लोगों से भेंट करेंगे। इसके बाद ग्राम सिला व भितरवार के बाढ़ प्रभावितों से मिलने पहुंचेंगे। 6.45 बजे ग्राम पवाया पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मिलेंगे। इसके बाद ग्राम बागवई होते हुए देर शाम लगभग 8.15 बजे जयविलास पैलेस वापस आएंगे।

गरीब की थाली नहीं रहेगी खाली : डॉ. मिश्रा

भोपाल । गृह मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इंदौर के मूसाखेड़ी में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत गरीबों को नि:शुल्क राशन का वितरण किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद शंकर लालवानी, विधायकमहेंद्र हार्डिया एवं अन्य अधिकारी और जन-प्रतिनिधिगण मौजूद थे। समारोह के विशिष्ट अतिथि गोवा के खाद्य मंत्री गोविंद गावड़े ने आयोजन की सराहना की। इसके अलावा इंदौर के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को इंदौर के हातोद में साढ़े चार करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन और शिलान्यास किया।

तिवारी ने अपेक्स बैंक एमडी का कार्यभार संभाला

भोपाल । अपेक्स बैंक के नव-नियुक्ति प्रबंधन संचालक पीएस तिवारी ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मप्र शासन, सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक 642, दिनांक 6 अगस्त 2021 के परिपालन में प्रेम सागर तिवारी ने शनिवार को अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक का कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली, जिसमें उन्होंने निर्देशित किया कि मध्यप्रदेश शासन की कृषक हितैषी जनकल्याणकारी योजनाओं का अपेक्स बैंक द्वारा तत्परता से प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन किया जाए। वहीं इस अवसर पर सभी अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट करके श्री तिवारी का स्वागत किया ।

प्रदेश कांग्रेस कल मनाएगी आदिवासी दिवस

भोपाल । भाजपा सरकार की दलित, संविधान विरोधी एवं जनविरोधी नीतियों, दलितों पर बढ़ रहे अत्याचार, अन्याय, उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर सोमवार 09 अगस्त को आदिवासी दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के तत्वाधान में पूर्वान्ह 11 बजे प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के मुख्य आतिथ्य एवं अभा कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केबिनेट मंत्री महाराष्ट्र शासन डॉ नितिन राउत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सांसद, पूर्व सांसद,विधायक, पूर्व विधायक, जिला प्रभारीगण, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारीगण मोर्चा संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, प्रदेश भर के जिला कांग्रेस अध्यक्षगणों एवं कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

नीरज चोपड़ा ने भारत का गौरव बढ़ाया: शर्मा

भोपाल । टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीतने को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने अद्भुत और ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए देश और प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है। एथलीट नीरज चोपड़ा द्वारा ओलंपिक खेलों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए कहा है कि भारत को टोक्यो ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक दिलाकर आपने देश का गौरव बढ़ाया है। सभी देशवासियों को आप पर गर्व है।

कांग्रेस सचिव सुधांशु त्रिपाठी आज भोपाल आएंगे

भोपाल । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदेश सह प्रभारी सुधांशु त्रिपाठी रविवार, 08 अगस्त को भोपाल में रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री प्रशासन प्रभारी राजीव सिंह ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया है कि श्री त्रिपाठी रविवार को अपरान्ह 3.00 बजे भोपाल पहुंचेंगे और शाम 4.00 बजे सीहोर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के साथ संगठनात्मक चर्चा करेंगे। वे शाम 7.00 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निवास पर आयोजित विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे। उनका रात्रि विश्राम भोपाल में रहेगा। श्री त्रिपाठी दूसरे दिन 9 अगस्त को सुबह 9.00 बजे भोपाल से झांसी के लिए रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा

कोरोना 100 साल में आई सबसे बड़ी आपदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीसी के माध्यम से 'पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत मध्यप्रदेश में 'अन्न उत्सव' की शुरुआत के अवसर पर शनिवार को दिल्ली से संबोधित किया। भोपाल में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह और सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया भी मौजूद थे।

जनसंख्या अधिक होने के कारण कई मोर्चों पर लड़ना पड़ा

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना सौ साल में आई सबसे बड़ी आपदा है। हमारे देश की जनसंख्या अधिक होने के कारण हमें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ा। हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचना तैयार करने के साथ करोड़ों लोगों को राशन पहुंचाने, उनके रोजगार की व्यवस्था करने जैसी चुनौतियों का भी सामना करना था। इन परिस्थितियों में सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब को दी गई। 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को निःशुल्क राशन पहुंचाने के साथ आठ करोड़ लोगों को गैस और 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खातों में 30 हजार करोड़ रूपए ट्रांसफर किए गए। श्रमिकों और किसानों के बैंक खातों में भी हजारों करोड़ रुपए सीधे जमा कराए गए। इसी क्रम में दूसरे राज्यों में काम कर रहे श्रमिकों के लिए वन नेशन-वन राशन कार्ड की व्यवस्था की जा रही है। पीएम स्वनिधि योजना में आसान बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह बात उन्होंने शनिवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए कही। मोदी ने कहा कि कोरोना काल में हमने अपने देश में बनी वैक्सीन के लिए विशेष प्रयास किए। यह बड़ी उपलब्धि है कि देश में 50 करोड़ वैक्सीन लगाने की महत्वपूर्ण मंजिल को पार कर लिया गया है। टीकाकरण में हमें अपनी गति को और बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान त्यौहारों में हस्तशिल्प का कोई न कोई उत्पाद लेकर लोकल उत्पाद को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना के प्रति सतर्कता आवश्यक है। आने वाले दिनों में उत्सवों के बीच कोरोना की प्रति लापरवाही उचित नहीं है। कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हितग्राहियों को थैले में खाद्यान्न वितरित किया।

विकास गरीब तक नहीं पहुंचे तो वह बेमानी है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी का प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का दसों दिशाओं में विकास हुआ है। उनका वैभवशाली, गौरवशाली, समृद्ध और सम्पन्न भारत बनाने का संकल्प है। विकास का प्रकाश जब तक गरीब तक नहीं पहुंचे, उसकी जिंदगी में जब तक बदलाव नहीं आए, तब तक विकास बेमानी है। प्रदेश के एक करोड़ 15 लाख परिवारों के 4 करोड़ 90 लाख लोगों को नाम मात्र की दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 7,441 करोड़ रुपए का अनुदान देने के परिणामस्वरूप संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि वर्ष 2024 तक प्रदेश का कोई भी गरीब पक्की छत के बिना नहीं रहेगा।

भोजन भी, जीवन भी, सम्मान भी...धन्यवाद मोदी जी

मुख्यमंत्री ने भोजन भी, जीवन भी, सम्मान भी... धन्यवाद मोदी जी के वाक्य के साथ प्रधानमंत्री मोदी का आभार मानते हुए कहा कि प्रदेश में ढाई करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। कोरोना के संकट में मनरेगा की मजदूरी के रूप में 13,163 कार्यों की 8,844 करोड़ रुपए की मजदूरी सीधे श्रमिकों के खातों में डाली गई। फुटपाथ पर काम करने वालों और हाथ-ठेला वाले 3 लाख 32 हजार लोगों को 332 करोड़ की राशि काम-धंधे पुन: आरंभ करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उपलब्ध कराई गई। ऐसे प्रधानमंत्री को पाकर हम धन्य और गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में आई बाढ़ के संकट के समय प्रधानमंत्री मोदी दिन में दो-दो बार फोन पर प्रदेश की स्थिति की जानकारी लेते रहे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रति संवदेनशीलता और सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार माना।

अन्य राज्यों के मंत्री भी कार्यक्रम में हुए शामिल

सात राज्यों के मंत्री और विधायक भी कार्यक्रम में अलग-अलग जिलों से शामिल हुए। उत्तराखंड के खाद्य मंत्री सुबोध उनियाल भोपाल से, असम के मंत्री रंजीत कुमार दास होशंगाबाद से, त्रिपुरा के मंत्री प्राणजीत सिंघा रॉय सीहोर से, हिमाचल प्रदेश के मंत्री राजेंद्र गर्ग रायसेन से और गोवा के मंत्री गोविंद गौड़े इंदौर से कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही अरुणाचल प्रदेश के विधायक जिगुन नाम चुन रायसेन से और हरियाणा के विधायक सत्य प्रकाश जरावता ने देवास से कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में प्रदेश की सभी उचित मूल्य दुकानों पर उपस्थित लोगों ने वुर्चअली सहभागिता की।

योजना या कार्यक्रम में आम जनता का जुड़ाव जरूरी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से मिले दूसरे राज्यों मंत्री और जनप्रतिनिधि

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसी जनहित की योजना या कार्यक्रम में आम जनता का जुड़ाव आवश्यक है। इससे जन-कल्याण योजनाओं की सार्थकता बढ़ जाती है। क्रियान्वयन भी ज्यादा सफल होता है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को यह बात अन्य राज्यों से अन्न उत्सव में भोपाल आए मंत्री, जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कही। प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्हें मप्र आकर बहुत खुशी हुई। खाद्य और कृषि क्षेत्र में अच्छे कार्य देखने को मिले। उपभोक्ता कल्याण के बारे में यहां बहुत कुछ जानने को मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-भागीदारी का मॉडल अद्भुत है। जनता के सहयोग से कार्य आसान होते हैं। चौहान ने कहा स्ट्रीट वेंडर्स कल्याण योजना हो या अन्य योजनाएं, यहां तक कि कोरोना के संकट में भी क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों और नागरिकों ने महामारी के नियंत्रण और बचाव में पूरा सहयोग दिया। दीनदयाल अंत्योदय समितियां भी इसी तरह सार्थक भूमिका निभाती हैं। यह समितियां योजनाओं की मानिटरिंग का कार्य भी करती हैं। चौहान ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में शनिवार को मध्यप्रदेश पधारे अन्य राज्यों के खाद्य मंत्रियों और प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री निवास पर स्वागत किया।

योजनाओं की प्रभावशीलता का निरंतर मूल्यांकन और सुधार आवश्यक

नीति आयोग और सुशासन स्कूल के बीच एमओयू कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सरकारों द्वारा विकास और जन-कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की प्रभावशीलता का निरंतर मूल्यांकन और उनमें सुधार आवश्यक है, अन्यथा सरकारें वास्तविकता से अनजान बनी रहेंगी। विकास का प्रकाश जब तक गरीब तक नहीं पहुंचता तब तक विकास बेमानी है।

मुख्यमंत्री चौहान नीति आयोग तथा अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के बीच संस्थागत सहभागिता के लिए मिंटो हॉल में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत का नारा देते हुए गौरवशाली, वैभवशाली, सम्पन्न और समृद्ध भारत का स्वप्न देखा। उनका विश्वास था की देश की ताकत राज्यों में निहित है। इसके आधार पर सहयोगी संघवाद के विचार को क्रियान्वित करने के लिए नीति आयोग की अवधारणा अस्तित्व में आई। यह एक ऐसा मंच है जहांविषय-विशेषज्ञ विभिन्न विषयों, समस्याओं पर विचार करते हैं और उसके प्रभावी और व्यावहारिक समाधानों के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होता है।

नीति आयोग के सहयोग से सुशासन संस्थान प्रभावी कार्य करेगा : चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, बालिकाओं को साइकिल प्रदाय के लिए संचालित योजना और सिटीजन चार्टर के समय-सीमा में पालन का उल्लेख करते हुए कहा कि योजनाओं की प्रभावशीलता के व्यवहारिक मूल्यांकन से योजनाओं को निरंतर बेहतरए जनोन्मुखी और विकासोन्मुखी बनाये रखने में मदद मिलती है। इन गतिविधियों में नीति आयोग के सहयोग और मार्गदर्शन से सुशासन संस्थान अधिक प्रभावी तरीके से कार्य करेगा। आज एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं, यह दिन प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक सिद्ध होगा।

सामाजिक समग्रता को साथ लेकर चलना चुनौतीपूर्ण

नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि विकास, पर्यावरण और सामाजिक समग्रता को साथ लेकर चलना चुनौतीपूर्ण है। शासन द्वारा जन-सामान्य को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जनता तक सहज और सरल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं की आउट कम और आउट पुट आधारित व्यवस्था स्थापित करना आवश्यक है। कार्यक्रम को सहकारिता एवं लोक प्रबंधन मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया और अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में नीति आयोग के डेव्हलपमेंट मॉनीटरिंग एंड इवैल्यूएशन संगठन के साथ अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विशलेषण संस्थान का एमओयू हस्ताक्षरित किया गया।

घोषणाएं करने की बजाए जनता को राहत पहुंचाए सरकार

कमलनाथ ने बाढ़ की तबाही को हवाई मार्ग से देखकर बोला सरकार पर हमला

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर-चंबल अंचल में आई बाढ़ के कारण बिगड़ी स्थिति का जायजा लेने के लिए शनिवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हवाई सर्वे कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सिर्फ घोषणाओं से कुछ होने वाला नहीं बल्कि पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाई जाना चाहिए।

ग्वालियर-चंबल अंचल के दौरे पर आए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात करने के बाद कहा कि भाजपा नेता ड्रामा की राजनीति करते हैं। मुख्यमंत्री सिर्फ झूठे वादे एवं घोषणा करते हैं कि मदद मिलेगी, अब यह तो बता दो कब मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार सिर्फ झूठ बोलती है। झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कांग्रेस पर झूठा आरोप लगाने के सिवाय कुछ नहीं कर सकते। जब कमलनाथ ग्वालियर एयरपोर्ट पर उतरे तो उनका स्वागत करने के लिए कांग्रेस के कई नेता वहां पहुंचे थे, लेकिन कमलनाथ ने किसी को मिलने के लिए नहीं बुलाया, क्योंकि वह हवाई जहाज से उतरे और वहां पहले से तैयार खड़े हैलीकॉप्टर में जा बैठे। इस दौरान कमलनाथ ने पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह को भी अपने साथ हैलीकॉप्टर में बाढ़ पीड़ितों का जायजा लेने उड़ गए। कमलनाथ ने कहा कि मौसम विभाग पहले से चेतावनी देता है, अचानक बारिश नहीं होती है। डैम से अचानक पानी क्यों छोड़ा गया। क्या अचानक डैम भर गए। जब भर रहे थे और लगातार पानी आ रहा था तो अलर्ट क्यों नहीं किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दतिया से शिवपुरी, श्योपुर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया।

सीएम ने नीरज चोपड़ा को ओलंपिक में गोल्ड मैडल जीतने पर दी बधाई

भारती महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 31-31 लाख देने का किया ऐलान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत के जैवलिन थ्रो प्लेयर नीरज चोपड़ा को टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मैडल जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री चौहान ने ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 31-31 लाख रुपए देने की घोषणा की। श्री चौहान ने कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने खेल भले हारा हो लेकिन दिल जीता है। ओलंपिक खेलने गई भारतीय महिला हॉकी टीम की वे सदस्य जिन्होंने मध्यप्रदेश की हॉकी एकाडमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उनके साथ ही अन्य सभी महिला खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यह सम्मान निधि सम्मान पूर्वक प्रदान की जाएगी।

गरीबों के लिए ऐतिहासिक दिन है सात अगस्त

कृषि मंत्री ने नि:शुल्क राशन वितरण कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के कृषि विकास तथा खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने सात अगस्त को ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश में एक साथ गरीबों को राशन वितरण किया जा रहा है। श्री पटेल ने बताया कि इस ऐतिहासिक दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित समारोह के साथ ही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत प्रदेश की समस्त शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर समारोहपूर्वक गरीबों को निङ शुल्क राशन वितरण किया गया।

मंत्री श्री पटेल ने खरगोन के भीकनगांव कृषि उपज मंडी में आयोजित जिला-स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि निः शुल्क राशन वितरण योजना में प्रदेश के 40 लाख से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। श्री पटेल ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों तक सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अनिवार्य रूप से पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। योजनाओं से लाभान्वित किए जाने में किसी भी प्रकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने छिंदवाड़ा टीम को दी बधाई

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश के कृषि तथा छिंदवाड़ा के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने जिले की टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत गरीबों को वितरित किए गए नि: शुल्क राशन वितरण में छिंदवाड़ा प्रथम स्थान पर आया है। छिंदवाड़ा जिले में कार्यक्रम अंतर्गत जिले की 811 शासकीय उचित मूल्य दुकानों से 65 हजार 856 परिवारों को नि:शुल्क राशन का वितरण किया गया है।

राज्यपाल ने रायसेन जिले में किया पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया है कि वे अपनी बसाहट के सभी पात्र परिवारों को केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का फायदा दिलाएं, जिससे गांव वाले आत्म-निर्भर बन सके। श्री पटेल रायसेन जिले की गौहरगंज तहसील के दूरस्थ अनुसूचित जनजाति बहुल इमलिया गौड़ी गांव में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का शुभारंभ कर रहे थे।

अन्न उत्सव में राज्यपाल ने हितग्राहियों को 10-10 किलो खाद्यान्न सामग्री के थैले पात्र हितग्राही परिवारों को प्रदान किये। श्री पटेल शासकीय उचित मूल्य दुकान पर भी गए और वहाँ मौजूद हितग्राहियों को थैलों में मुफ्त राशन वितरित किया। राज्यपाल अपने प्रवास के दौरान जनजातीय बहुल इमलिया गौड़ी गाँव के अनेक ग्रामीणों से मिले और शाल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने परिवार को खुशहाल बनाएं। राज्यपाल ने अपनी ओर से स्कूली बच्चों को स्कूल बैग और फल भी भेंट किये। राज्यपाल ने कार्यक्रम स्थल के पास कदम का पौधा भी रोपा।

टास्क फोर्स और नागरिकों के सहयोग से पूरा होगा व्यवस्था बनाने का काम

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्था बनाने के लिए गठित टास्क फोर्स की पहली बैठक में सीएम ने कहा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा है कि प्रदेश के कुछ जिलों में अति वर्षा और बाढ़ ने जिस तरह जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, अब पुनः व्यवस्थाओं को बनाने का काम एक चुनौती है। यह कार्य जिलों के प्रशासन, राज्य शासन द्वारा गठित टास्क फोर्स और नागरिकों के सहयोग से पूरा करना है। श्री चौहान ने शनिवार को अपने निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कुछ जिलों में आई बाढ़ के संदर्भ में गठित टास्क फोर्स की प्रथम बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने राहत कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में संबंधित मंत्री और अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने टास्क फोर्स की बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित नागरिकों की सहायता में कोई कसर छोड़ी नहीं जाए। नियमित रूप से दिए जाने वाले खाद्यान्न के अलावा बाढ़ प्रभावितों को 50 किलो अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर्स, अनाज के स्थान पर आटा प्रदाय कर प्रभावित परिवारों को राहत दें सकते हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने ग्वालियर और चंबल संभाग में संचालित राहत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए राहत एवं पुनर्वास कार्यों के प्रभावी प्रबंधन के लिएए क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण और आम नागरिकों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति का आकलन तथा पुनर्वास की सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय टास्क फोर्स गठित किया है। टास्क फोर्स की प्रथम बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह डॉ.राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव राजस्व एवं राजस्व एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कार्यालय मनीष रस्तोगी ने प्रदेश में वर्षा और बाढ़ की स्थिति, संचालित राहत कार्यों के संबंध में प्रेजेंटेशन दिया। इस दौरान मंत्रियों ने भी बाढ़ग्रस्त जिलों में बाढ़ से प्रभावित लोगों को दी जा रही सहायता के बारे में बताया।

पर्दे पर वापसी करेंगे कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव

मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव अपने सोलो शो 'हंसते रहो विद राजू श्रीवास्तव' के साथ पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। राजू ने बताया, आज जैसे-जैसे आवश्यकता बढ़ी है हंसी की मांग भी बढ़ी है। हमारे पास बेरोजगार भारतीय हैं जो हंसने का तरीका ढूंढ रहे हैं या कोरोनावायरस से प्रभावित लोग हंसने का कारण ढूंढ रहे हैं। हंसी सबसे अच्छी दवा है। टीवी से ओटीटी में कॉमेडी शो के विकास के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ''हम सभी को समय के साथ आगे बढ़ना है, विकास प्रकृति का नियम है। विकास अभी भी न्यूनतम है, यह कहने के लिए विकास शानदार होना चाहिए कि कॉमेडी ओटीटी पर पहुंच गई है, हमने फिल्में, टीवी किया है और हम ओटीटी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, ''हमारे पास अभी भी ऐसे लोग हैं जो जीवन से संतुष्ट नहीं हैं और हमें हंसाने वाले लोग बड़ी संख्या में नहीं हैं। 135 करोड़ की आबादी को हंसाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।''40 साल के अनुभव के साथ राजू श्रीवास्तव सोलो शो के साथ वापसी कर रहे हैं। उनके साथ टीवी के तबला वादक सुरिंदर, अशोक मिश्रा, दीपू श्रीवास्तव और अभिनंदन शो का हिस्सा होंगे। सीरीज सामयिक होने के साथ-साथ मजेदार भी होगी। विकास प्रोडक्शंस ने आईएमपीपीए के अध्यक्ष टी पी अग्रवाल और राहुल अग्रवाल द्वारा उद्घाटन किए गए एक कार्यक्रम में 'हंसते रहो विद राजू श्रीवास्तव' शो लॉन्च किया। राजू ने कहा, ''जब निर्माता सरला और राहुल ने मुझसे इस परियोजना के लिए संपर्क किया, तो मैंने तुरंत हां कह दिया। मैं इस श्रृंखला पर लंबे समय से काम कर रहा हूं और मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छा समय है जहां लोग हंस सकते हैं और अपना सारा तनाव मुक्त कर सकते हैं।'' निर्माता, राहुल अग्रवाल ने कहा कि, ''हम सभी राजू श्रीवास्तव को देखकर बड़े हुए हैं, वह एक दिमागी हास्य अभिनेता और एक महान कलाकार हैं। हमने सोचा कि उन्हें पर्दे पर वापस लाना बहुत अच्छा होगा जिससे युवा पीढ़ी भी उन्हें प्रदर्शन और आनंद ले सकें। शो या तो जीईसी या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा।

कार्तिक की हीरोइन बनेंगी किआरा आडवाणी

कियारा आडवाणी को दनादन फिल्में मिल रही हैं। शेरशाह रिलीज होने वाली है और इसी बीच उन्हें कार्तिक आर्यन के साथ एक फिल्म मिल गई है जिसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक समीर विद्वंस इसे निर्देशित कर रहे हैं। पहले फिल्म का टाइटल सत्यनारायण की कथा था, लेकिन विरोध के कारण इसका नया टाइटल सोचा जा रहा है। मेकर्स एक नई जोड़ी की तलाश में थे और कार्तिक आर्यन के साथ उनके दिमाग में कियारा आडवाणी का ख्याल आया। वे दोनों पहले से ही भूल भुलैया 2 पर काम कर रहे हैं। फिल्म में जहां कार्तिक का नाम सत्या है और कियारा को कथा कहा जाएगा। यह एक लवस्टोरी बेस्ड फिल्म है जिसके म्यूजिक पर खासा काम किया जा रहा है। यह फिल्म दिसंबर 2021 में शुरू होगी।

मोनिका डोगरा आने वाली फिल्म 'कार्टेल' में दिलचस्प भूमिका में दिखेंगी

अभिनेत्री मोनिका डोगरा, जो अपने बैक-टू-बैक अपरंपरागत चरित्र विकल्पों के साथ बदल रही हैं, एक्शन ड्रामा, 'कार्टेल' का हिस्सा होंगी। इस फिल्म में मोनिका माया, अभय (ऋत्विक धनजानी द्वारा अभिनीत) की प्रेमिका का किरदार निभाती नजर आएंगी। अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए मोनिका कहती हैं, ''माया सेक्सी, आकर्षक, जोड़-तोड़ करने वाली और फिर भी आकर्षक है। यह मेरे सभी किरदार द्वारा निभाए गए तमाम किरदारों से अलग हैं। माया एक ऐसी चीज है जिसे मैंने कभी पर्दे पर नहीं निभाया। वह कामुक और रहस्यमय है।''वेब शो की कहानी एक्शन, ड्रामा और पावर प्ले के साथ मुंबई पर आधारित है। यह दर्शकों को पांच अपराधियों की यात्रा के माध्यम से ले जाता है। ये कार्टेल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं। कैसे वे अपने अवैध संचालन को अंजाम देते हैं और कैसे राजनीतिक, न्यायपालिका और कॉर्पोरेट निकाय समकालीन समय के अंडरवल्र्ड के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, यह कहानी का मूल आधार है। इसमें तनुज विरवानी, ऋत्विक धनजानी, सनाया पीठवाला और 137 अन्य कलाकार हैं। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए, मोनिका कहती हैं कि, ''सबसे पहले, मैं इस तरह की महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मैं इस शो के माध्यम से कुछ अद्भुत लोगों से मिली हूं और मैं हमेशा अपनी यादों को संजो कर रखूंगी।''' 'कार्टेल' ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर गोल्ड पर 20 अगस्त से स्ट्रीम होगी।

शमिता शेट्टी को सैलून जाना पड़ा भारी राज कुन्द्रा के कारण हुईं ट्रोल

राज कुन्द्रा पर अश्लील फिल्म बनाने का आरोप है और इस समय वे अंदर हैं। उनके वकील और पत्नी शिल्पा शेट्टी तमाम कोशिश कर रहे हैं कि राज को बाहर निकाला जाए, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली है। इसी बीच राज के कारण शिल्पा और शमिता को भी काफी कुछ सुनना पड़ रहा है। शिल्पा ने तो भड़क कर कई मीडिया हाउस को नोटिस थमा दिए हैं। शमिता शेट्टी भी अपने जीजू के समर्थन में उतरी थीं। सोशल मीडिया पर बिना किसी का नाम लिए बड़ी-बड़ी बातें लिख दी थीं जो इशारा कर ही थी कि वे राज को सपोर्ट कर रही हैं। हाल ही में शमिता सैलून गईं। इसका वीडियो जब लोगों ने देखा तो भड़क गए। कमेंट्स आने लगे- स्टाइल में रहने का, परिवार से ज्यादा जरूरी है सैलून, इसी बहाने मिल रही है पब्लिसिटी। अब भला शमिता को ट्रोल करने से क्या फायदा? उनका तो इस केस में दूर-दूर तक नाम नहीं है, लेकिन लोग कहां बाज आते हैं। उन्हें तो बस मौका मिलना चाहिए।

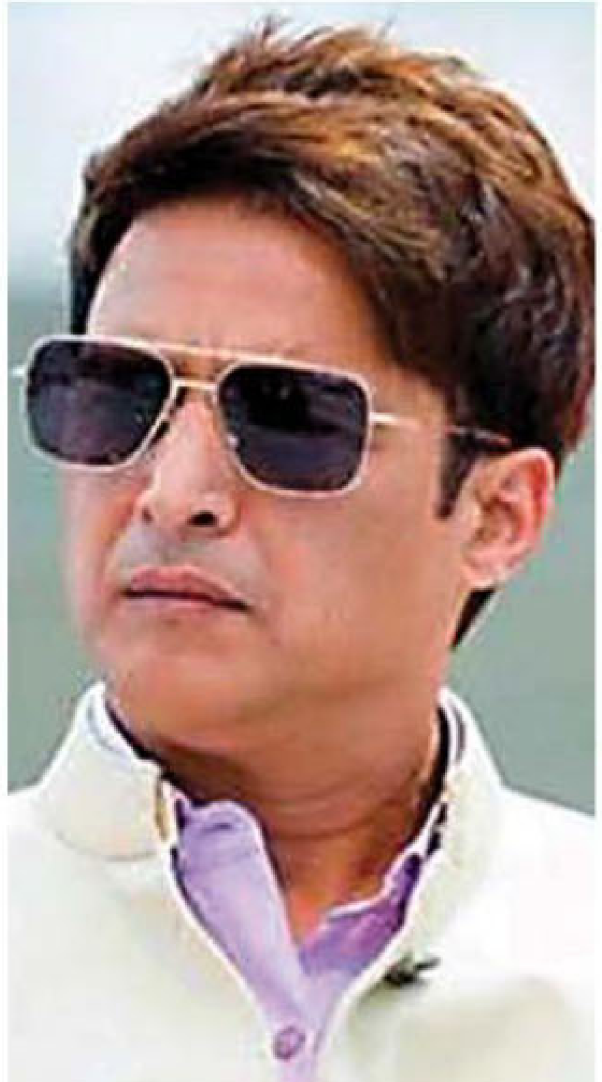

क्रिसमस पर रिलीज होगी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द राइज'

अभिनेता अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा : द राइज' इस साल क्रिसमस पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इस खबर की पुष्टि करते हुए, मैथरी मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी और वाई.रविशंकर ने एक संयुक्त बयान में कहा कि, '''पुष्पा' एक एक्शन से भरपूर कहानी है जिसमें ऐसे पल हैं जो दिल को छू जाते हैं और इसे फिल्माना एक आनंदमयी राइड है।' उन्होने आगे जोड़ा कि, ''फिल्म ने पहले ही दर्शकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है और हम यह घोषणा करते हुए रोमांचित हैं कि पहले भाग को इस साल क्रिसमस पर रिलीज किया जाएगा। हम प्रशंसकों द्वारा इसे देखने और कभी न खत्म होने वाली बारिश का इंतजार नहीं कर सकते। 'पुष्पा' की पूरी टीम को प्यार। हमने फिल्म का दूसरा भाग 2022 में रिलीज करने का फैसला किया है।'' फिल्म के पहले ट्रैक 'जागो जंगो बकरे' का टीजर रिलीज होने के बाद सोमवार को यह फिल्म सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही थी। यह गाना पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगा। अर्जुन, फहद फासिल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म दो भागों में रिलीज होगी।

'माचिस' के साथ अपने सपने के सच होने पर बोले जिमी शेरगिल

अभिनेता जिमी शेरगिल ने 1996 में फिल्म निर्माता गुलजार की फिल्म 'माचिस' से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। उसके बाद, प्रतिभाशाली अभिनेता ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिमी ने को बताया, ''माचिस वह जगह है जहां यह सब शुरू हुआ। मैंने हमेशा सपना देखा कि गुलजार साहब को एक फिल्म बनानी चाहिए, जहां अगर मुझे सिर्फ दो दिनों के लिए एक किरदार निभाने का मौका मिलता है तो यह मेरे लिए एक सपना सच होगा। मैं हमेशा चाहता था कि ऐसा हो। 50 वर्षीय जिमी ने 'माचिस' में अपनी प्रभावशाली भूमिका के बाद बॉलीवुड में काफी सफर तय किया। जिमी ने साझा किया कि, महान निर्देशक गुलजार के साथ काम करने के दौरान बहुत सी चीजें उनके साथ रहीं। उन्होंने कहा, 'फिल्म के दौरान हमने बहुत सी चीजें सीखीं जो जीवन भर हमारे साथ रहीं।' 'ए वेडनेसडे' में इंस्पेक्टर आरिफ खान के रूप में अपने शक्तिशाली अभिनय से लेकर 'स्पेशल 26' और 'फगली' में अपनी उल्लेखनीय भूमिकाओं तक, अभिनेता ने 75 से अधिक हिंदी फिल्मों और तीन वेब श्रृंखलाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। जिमी आखिरी बार वेब सीरीज 'कॉलर बॉम्ब' में नजर आए थे।

'डायल 100' ने मुझे कॉलेज के दिनों की याद दिलाई

साक्षी तंवर आज टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफार्मों पर अपने काम के लिए जानी जाती है। वह बताती हैं कि कैसे फिल्म 'डायल 100' ने उन्हें पुरानी यादों के पलों के बारे में महसूस करवाया।

साक्षी ने बताया, ''मनोज सर के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास और भावनात्मक था। यह 30 साल पहले की तरह था, मैं एक छात्रा थी उसके तुरंत बाद वह मुंबई आ गए और जब 'सत्या' रिलीज हुई, तो मेरे लिए ऐसा था- 'मैं उन्हें जानती हूं, वह मेरे पहले निर्देशक हैं, मैं उनसे तब मिलूंगी जब मैं एक अभिनेत्री बनूंगी'।''यह अजीब था कि जब से मैंने मुंबई में एक अभिनेत्री के रूप में काम करना शुरू किया, तब से मैं उनसे कभी ठीक से नहीं मिली और निश्चित रूप से, कभी साथ काम नहीं किया। लेकिन यह मेरी इच्छा सूची में था कि मैं मनोज सर के साथ काम करूं या कम से कम एक अभिनेत्री के रूप में उनसे मिलूं क्योंकि मैं उस समय एक अभिनेत्री बनने के सपने के साथ एक छात्रा थी। अब जबकि साक्षी अभिनय के क्षेत्र में प्रमुख नामों में से एक है, वह केवल अपने आशीर्वाद की गिनती करती है और मनोज के साथ 'डायल 100' जैसी महत्वपूर्ण फिल्म में काम करने के लिए भाग्यशाली महसूस करती है। 'कहानी घर घर की' और 'बड़े अच्छे लगते हैं' आदि सहित कई टीवी श्रृंखलाओं के लिए जानी जाने वाली साक्षी ने कहा, ''इस पर वास्तव में भाग्यशाली महसूस कर रही हूं, हां मुझे 30 साल लग गए, लेकिन मैं मनोज सर जैसे प्रतिष्ठित अभिनेता के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही हूं और एक अभिनेत्री की क्षमता में उनसे मिल रही हूं।''फिल्म में वह मनोज द्वारा निभाई गई निखिल सूद की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। सोनी पिक्च र्स फिल्म्स इंडिया द्वारा निर्मित, रेंसिल डी' सिल्वा द्वारा निर्देशित, 'डायल 100' 6 अगस्त को जी5 पर रिलीज होगी।

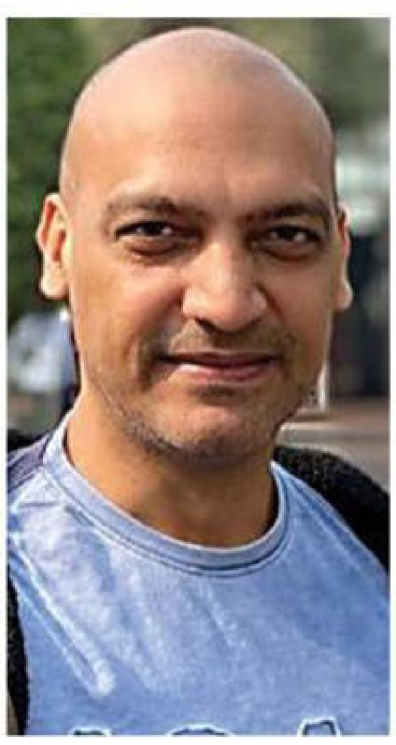

मनीष वाधवा ने 'छत्रसाल' में अपनी भूमिका और ओटीटी की प्रासंगिकता पर किया खुलासा

अभिनेता मनीष वाधवा ने हाल ही में 'छत्रसाल' से वेब पर डेब्यू किया। उन्होंने दो साल पहले सीरीज की शूटिंग की थी, जो अब आखिरकार स्ट्रीमिंग हो रही है। अभिनेता खुश और आशान्वित हैं कि यह परियोजना उनके लिए वेब पर और ज्यादा काम पाने के रास्ते शुरू करेगी। मनीष को 'चंद्रगुप्त मौर्य' में 'चाणक्य' और 'परमावतार श्री कृष्ण' में 'राजा कंस' जैसी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। अभिनेता ऐतिहासिक नाटक में 'छत्रसाल' के गुरु (शिक्षक) की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, वे कहते हैं कि, ''मैं श्रृंखला में महाराजा छत्रसाल के गुरु की भूमिका निभा रहा हूं। उनके लिए धर्म कोई मायने नहीं रखता, वह मानवता को अधिक महत्व देते हैं, जिसे वे एक धर्म मानते हैं। उनका आदर्श वाक्य सभी को प्यार से साथ लाना है। 49 वर्षीय अभिनेता ने खुलासा किया कि वह परमावतार श्री कृष्ण'' शो में 'राजा कंस' की भूमिका निभा रहे थे, जब यह प्रस्ताव उनके पास आया और उन्हें इसके बारे में बहुत अच्छा लगा। वे कहते हैं कि, ''जबकि 'राजा कंस' कट्टर निगेटिव था, यह चरित्र पूरी तरह से पॉजिटिव था। एक चरित्र से दूसरे चरित्र में जाने के लिए कड़ी मेहनत थी। इसके अलावा, इसे और अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए मुझे आंखों की गति पर काम करना होगा और एक 'गुरु' की तरह दिखने के लिए अन्य कोशिश करनी होगी। मुझे भाषा पर भी काम करना है क्योंकि इस किरदार के लिए मुझे जो हिंदी बोलनी थी, वह हमारी रोजमर्रा की बोली से बिल्कुल अलग थी। मनीष को ओटीटी शो करने में ज्यादा दिलचस्पी है क्योंकि उनका मानना है कि वेब की दुनिया में काफी एक्सपेरिमेंटल काम हो रहा है और यह दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है।

नीरज ने रचा इतिहास

भाला फेंक में जीता स्वर्ण

- एथलेटिक्स में स्वर्ण जीतने वाले बने पहले खिलाड़ी
- ओलंपिक में 126 सालों में भारत को एथलेटिक्स में पहला पदक
- व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय बने नीरज

नीरज चोपड़ा	भारत	87.58 मीटर
याकुब वाल्देज	चेक गणराज्य	86.67 मीटर
विटेस्लाव वेसेली	चेक गणराज्य	85.44 मीटर

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह देश के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी और पहले एथलीट हैं। नीरज की इस सफलता के साथ भारत 1 स्वर्ण, 2 रजत और चार कांस्य के साथ टोक्यो ओलंपिक का समापन करेगा। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर की दूरी के साथ पहला स्थान हासिल किया। 86.67 मीटर के साथ चेक गणराज्य के याकुब वाल्देज दूसरे स्थान पर रहे जबकि उनके ही देश के विटेस्लाव वेसेली को 85.44 मीटर के साथ कांस्य मिला।

नीरज से पहले अभिनव बिंद्रा ने 13 साल पहले बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। अभिनव ने हालांकि यह स्वर्ण निशानेबाजी में जीता था। यहां टोक्यो में नीरज ने जो किया है वह ऐतिहासिक है क्योंकि इससे पहले भारत को ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट्स में कभी कोई पदक नहीं मिला।

बिंद्रा के नाम कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक जुड़ गया है। वह तीनों इवेंट्स में मौजूदा चैम्पियन हैं। नीरज ने अपने पहले प्रयास में 87.03 की दूरी नापी और लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर पहुंच गए। दूसरे प्रयास में नीरज ने 87.58 भाला फेंका और लीडरबोर्ड पर खुद को मजबूत किया और एक लिहाज से पदक पक्का कर लिया।

तीसरे प्रयास में हालांकि वह 76.79 मीटर की ही दूरी नाप सके। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा। नीरज का पांचवां प्रयास भी फाउल रहा। दूसरी ओर, जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहले प्रयास में 85.30 मीटर की दूरी नापी और लीडरबोर्ड पर दूसरे स्थान पर काबिज हो गए। दूसरे प्रयास में हालांकि वह 77.90 मीटर की ही दूरी नाप सके।

चेक गणराज्य केवेसेली ने हालांकि अपने तीसरे प्रयास में 85.44 मीटर की अपनी सीजन बेस्ट दूरी नाम वेबर को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। वेसेली का चौथा प्रयास नाकाम रहा और इसी बीच उनके ही देश के वाल्देज ने पांचवें प्रयास में 86.67 मीटर के सीजन बेस्ट दूरी के साथ वेसेली को तीसरे स्थान पर धकेल दिया।

वेबर पांचवें स्थान पर खिसक गए थे लेकिन वह भी पांचवें प्रयास में सीजन बेस्ट 85.30 मीटर के साथ चौथे स्थान पर आ गए। नीरज को इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। उनका स्थान सुरक्षित था। अब उनका सामना सीधे वेसेली और वाल्देज से था। इन दोनों के अंतिम प्रयास नाकाम रहे और इसी के साथ नीरज को एक प्रयास के बिना ही स्वर्ण मिल गया। यह ऐतिहासिक स्वर्ण है। भारत ने इससे पहले एथलेटिक्स में कोई पदक नहीं जीता था लेकिन अब जब पदक आया तो वह सीधे स्वर्ण।

टोक्यो ओलम्पिक में भारत
स्वर्ण 1
रजत 2
कांस्य 3

बजरंग ने दिलाया कांस्य

- अंकों के आधार पर 8-0 से जीता कांस्य पदक का मुकाबला
- कजाकिस्तान के दौलत नियाबेकोव को दी मात

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के बजरंग पहलवान ने शनिवार को शानदार सफलता हासिल करते हुए फ्रीस्टाइल कुश्ती के 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया है। बजरंग ने इस तरह भारत की झोली में चौथा कांस्य और कुल छठा पदक डाला है, जो अब नीरज चोपड़ा द्वारा भाला फेंक में जीते गए स्वर्ण के बाद सात हो गया है। माकुहारी मेसे हॉल-ए मैट बी पर बजरंग का सामना कजाकिस्तान के दौलत नियाबेकोव से था। बजरंग ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखते हुए इस मुकाबले को 8-0 से अपने नाम किया और विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बाद अपने नाम ओलंपिक पदक भी कर लिया है। इस मुकाबले में बजरंग इस तरह हावी रहे कि उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप में दो बार पदक जीत चुके दौलत को एक भी अंक नहीं लेने दिया।

बजरंग ने राउंड आफ-8 मुकाबले में किर्गिस्तान के इरनाजार अकामातालीव को हराया था। इसके बाद वह क्वार्टर फाइनल में ईरान के मुर्तजा घियासी के खिलाफ विजयी रहे थे लेकिन सेमीफाइनल में वह अजरबैजान के हाजी अलीयेव के हाथों बुरी तरह हार गए थे। अब टोक्यो में भारत के कुल सात पदक हो गए हैं। यह लंदन ओलंपिक से बेहतर है जहां भारत ने दो रजत और चार कांस्य जीते थे। नीरज और बजरंग के अलावा भारोत्तोलक मीराबाई चानू (रजत), पहलवान रवि कुमार दहिया (रजत), बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु (कांस्य), मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (कांस्य) और पुरुष हॉकी टीम (कांस्य) टोक्यो में भारत के लिए अन्य पदक विजेता हैं। कुश्ती में भारत का यह सातवां पदक है, जिसमें दो रजत और पांच कांस्य पदक शमिल हैं सुशील कुमार (लंदन 2012) और रवि कुमार दहिया (टोक्यो 2020) ने रजत पदक जीते, जबकि केडी जाधव (हेलसिंकी 1952), सुशील कुमार (बीजिंग 2008), योगेश्वर दत्त (लंदन 2012), साक्षी मलिक (रियो 2016) और बजरंग पुनिया ने कांस्य पदक जीता।

पुनिया, जिन्होंने अपने गुरु योगेश्वर दत्ता के लिए लंदन ओलंपिक से बाहर होने का विकल्प चुना था, ने आखिरकार शनिवार को मकुहारी मेस्से हॉल में नियाजबेकोव को आराम से हराकर अपने पहले ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता और अपना सपना पूरा किया।

अदिति अंतिम क्षणों की गलती से पदक से चूकीं, मिला चौथा स्थान

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की महिला गोल्फर अदिति अशोक शानदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले इवेंट में चौथे स्थान पर रहीं। चौथे और अंतिम राउंड के अंतिम क्षणों में की गई कुछ गलतियां अदिति को पदक से दूर ले गईं। वह तीन राउंड तक पदक की दौड़ में बनी हुई थीं। चौथा स्थान भी अदिति के लिए हर मायने में सराहनीय कहा जाएगा। अपना दूसरा ओलंपिक खेल रहीं अदिति रियो ओलंपिक में 41वें स्थान पर रही थीं। लेकिन टोक्यो में अदिति ने शुरू से ही शानदार प्रदर्शन किया और तीसरे राउंड की समाप्ति तक टॉप-3 में बनी रहीं। चार राउंड में 15-अंडर स्कोर 269 जुटाने वाली 23 साल की अदिति से पहले यह मुकाम कोई भारतीय हासिल नहीं कर सका है। भारत के लिए खेलों में निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, जिमनास्ट दीपा करमाकर और निशानेबाज जॉयदीप कर्माकर ने जो मुकाम हासिल किया है, अदिति का प्रदर्शन हर लिहाज से उससे मेल खाता है। विश्व की नम्बर-1 अमेरिका की एलपीजीए चैम्पियन नेली कोर्डा ने17-अंडर स्कोर 267 के स्कोर के साथ इस इवेंट का स्वर्ण जीता जबकि रजत जापान की मोने इनामी के खाते में गया। मोने ने तीसरे स्थान के लिए हुए प्लेऑफ मुकाबले में न्यूजीलैंड की लीडिया को हराया। भारत की एक अन्य गोल्फर दीक्षा डागर हालांकि प्रभावित नहीं कर सकीं। दीक्षा 60 गोल्फरों के बीच संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर रहीं।

संक्षिप्त समाचार

महिला युगल नौकायान 500 मीटर दौड़ में चीन को स्वर्ण

टोक्यो। चीन की जू शिशियाओ और सुन मेंग्या ने यहां शनिवार को टोक्यो ओलंपिक में महिला युगल नौकायान 500 मीटर दौड़ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस चीनी जोड़ी ने नए ओलंपिक रिकॉर्ड 1.55.495 के समय के साथ दौड़ पूरी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं यूक्रेन की ल्यूडमिला लुजान और अनास्तासिया चेतवेरिकोवा ने 1.57.499 के समय के साथ रजत, जबकि कनाडा की लॉरेंस विंसेंट-लापोइंटे और केटी विंसेंट ने 1.59.041 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस स्वर्ण के साथ टोक्यो ओलंपिक में अब चीन के पास 37 स्वर्ण पदक हो गए हैं और वह स्वर्ण पदक के मामले में शीर्ष स्थान पर बरकरार है। अमेरिका 33 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। सही मायनों में इन दो देशों के बीच ही सर्वाधिक स्वर्ण ले जाने की होड़ है।

बीच वालीबॉल में नॉर्वे ने जीता स्वर्ण

एंडर्स बर्नत्सेन मोल और सोरम क्रिश्चियन सैंडली के शानदार खेल की बदौलत नॉर्वे ने यहां शनिवार को रूसी ओलंपिक समिति (आरओसी) को हरा कर बीच वालीबॉल में स्वर्ण पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक 2020 में नॉर्वे का यह तीसरा स्वर्ण और ओवरऑल छठा पदक है। नॉर्वे ने मैच में आरओसी को सीधे सेटों में 2-0 से हराया। शुरुआत से ही नॉर्वे के मोल और सैंडली आरओसी के वियाचेस्लाव कसीसिलनिकोव और ओलेग स्टोयानोवस्की से बेहतर दिखे, हालांकि रूसी खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन नॉर्वे की इस जोड़ी ने पहले और दूसरे सेट में क्रमश- 21-17 और 21-18 के स्कोर के साथ जीत हासिल कर स्वर्ण अपने नाम कर लिया, जबकि आरओसी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मुक्केबाज गलाल याफाई ने ग्रेट ब्रिटेन को दिलाया स्वर्ण

ब्रिटिश मुक्केबाज गलाल याफाई ने यहां शनिवार को पुरुष फ्लाईवेट 48-52 किग्रा वर्ग मुक्केबाजी में फिलीपींस के कार्लो पालाम को हरा कर ग्रेट ब्रिटेन को टोक्यो ओलंपिक में एक और स्वर्ण पदक दिलाया। याफाई ने कार्लो को 4-1 से धूल चटाई। उन्होंने मुकाबले के पहले दो राउंड में अपने पंचों से जजों को काफी प्रभावित किए। परिणामस्वरूप उन्हें पहले राउंड में सभी पांच जजों से 10-10, जबकि दूसरे राउंड में चार जजों से 10 और एक जज से नौ अंक प्राप्त हुए। कार्लो ने हालांकि तीसरे राउंड में वापसी की और आक्रामक रुख अपनाते हुए याफाई पर ताबड़तोड़ पंच बरसाए, जिसकी बदौलत वह तीसरे और आखिरी राउंड में पांचों जजों से 10-10 अंक प्राप्त करने में सफल हए, लेकिन मकाबला 4-1 से

कांटे के संघर्ष में डुरंट ने जिताया अमेरिका को स्वर्ण

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में पुरुषों की बास्केटबॉल का स्वर्ण पदक एक बार फिर अमेरिका ने अपनी झोली में डाल लिया है। अमेरिका ने शनिवारको खेले गए फाइनल मुकाबले मेंफ्रांस को 5 अंक की लीड से 87-82 से हराया। जीत के हीरो केविन डुरंट रहे, जिन्होंने 29 प्वाइंट्स जुटाए और 6 रिबाउंड किए, जबकि जेसन टैटम ने 19 प्वाइंट्स बनाए और 7 रिबाउंड किए।

इसी तरह फ्रांस के लिए इवान फोर्नियर और रूडी गेबर्ट ने 16-16 प्वाइंट्स जुटाए। अमेरिका ने पहले क्वार्टर की समाप्ति तक 18-22 की लीड रखी थी। दूसरे क्वार्टर की समाप्ति तक स्कोर इस क्वार्टर का 21-22 जबकि तीसरे क्वार्टर में अमेरिका ने 24 के मुकाबले 27अंक जुटा। चौथे क्वार्टर में फ्रांस ने 19 अंक हासिल किए जबकि अमेरिका के खात में 16 अंक आए लेकिन इसके बावजूद अमेरिकी टीम विजयी रही। पुरुषों का कांस्य पदक का मुकाबला आस्ट्रेलिया और स्लोवेनिया के बीच आज ही खेला जाएगा।

आज ही सर्बिया और फ्रांस के बीच महिलाओं का कांस्य पदक का मुकाबला भी खेला जोगा।

बुसनेज सुरमेनेली ने महिला वेल्टरवेट में जीता स्वर्ण

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां) विश्व नंबर एक तुर्की की बुसनेज सुरमेनेली ने यहां शनिवार को महिला वेल्टरवेट (64-69 किग्रा) मुक्केबाजी के फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की गु होंग को हरा कर स्वर्ण पदक जीता।

बुसनेज ने होंग को मुकाबले में 3-0 से हरा कर स्वर्ण अपने नाम किया। होंग ने हालांकि बुसनेज को कड़ी चुनौती देकर बता दिया कि वह टॉप दो सीड क्यो हैं। इतना ही नहीं होंग ने चार जजों से 10 और एक जज से नौ अंक लेकर पहला राउंड अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद बुसनेज ने जवाब दिया और दूसरे राउंड में सभी पांच जजों से 10-10 अंक हासिल किए। आखिरी राउंड भी टक्कर का रहा, लेकिन बुसनेज ने 3-0 से मुकाबला जीत लिया। उल्लेखनीय है कि बुसनेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की लवलीना को भी बुरी तरह पछाड़ा था। एकतरफा मुकाबले में उन्होंने सर्वसम्मत फैसले से 5-0 से जीत हासिल की थी।

ओलम्पिक में चौथे स्थान पर रहे हरियाणा के खिलाड़ियों को मिलेंगे 50-50 लाख

रोहतक, ,(एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि टोक्यो ओलम्पिक में चौथे स्थान पर भी रहे राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 50-50 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। खट्टर ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये यह जानकारी दी और कहा कि राज्य की खेल नीति में हालांकि ओलम्पिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों के लिए अभी तक कोई प्रावधान नहीं था। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक खेलों में भाग लेना अपने आप में गर्व की बात है। राज्य की खेल नीति के अनुसार इन खेलों में किसी कारणवश पदक न लाने वाले खिलाड़ियों के लिए भी प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है। इसके अनुसार ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि दी जायेगी जिनमें से प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 लाख रुपये की राशि खेलों के शुरू होने से पूर्व दी जा चुकी है तथा शेष 10-10 लाख रुपये की राशि खिलाड़ियों के ओलम्पिक सम्पन्न होने के बाद वापिस लौटने पर दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल नीति में ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को छह करोड़ रुपये, रजत पदक के लिये चार करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक के लिये 2.5 करोड़ रुपये देने का ही प्रावधान है। सरकार ओलम्पिक खेलों में पदक प्राप्त करने वाले एवं प्रतिभागिता करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 41 वर्षों के बाद ओलम्पिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस टीम में प्रदेश के दो खिलाड़ी शामिल हैं जिन पर सभी को गर्व है। इसी तरह महिला हॉकी टीम ने भी बहादुरी के साथ कांस्य पदक के लिए मैच खेला। इस टीम में प्रदेश के नौ खिलाड़ी हैं।

मैं अगला ओलंपिक खेलूंगी भी ये मालूम नहीं : रानी रामपाल

- हमारी टीम ओलंपिक में एक न एक दिन हॉकी में पदक जरूर जीतेगी
- अगला साल खासा अहम, विश्व कप सहित कई अहम टूर्नामेंट खेलने हैं
- कुछ हासिल करने के लिए सपने देखने चाहिए और खुद पर भरोसा होना चाहिए

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। रानी रामपाल की अगुआई में भारत की महिला हॉकी टीम ब्रिटेन के टोक्यो ओलंपिक में शुक्रवार को ब्रिटेन के खिलाफ बेहद रोमांचक मुंकाबले में हार कर 3-4 से हार कर भले ही कांसे से चूक गई और उन्हें और उनकी साथी खिलाड़ियों को इसका बेहद मलाल है। भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही। बावजूद इसके पूरे देश को बेहद गरीब परिवारों, छोटे कस्बों और सुदूर आदिवासी गांवों उसे आकर भारत का हॉकी में गौरव बढ़ाने वाली बेटियों पर फख्र है। हकीकत तो यह है कि अभावों ने भारत की हॉकी खेलने वाली इन बेटियों में मुश्किलों से पार पाकर दुनिया की शीर्ष टीमों को टक्कर ही नहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया जैसी दुनिया जैसी शीर्ष टीमों का हराने का भरोसा दिया। भारतीय लड़कियों ओलंपिक हॉकी में इसी जाबांज प्रदर्शन के चलते पर राज्य सरकारों और उनके रेलवे जैसे संस्थान से पैसों की बारिश हो रही है।

दिल्ली और चंडीगढ के अधबीच शाहबाद रामपाल ने टोक्यो से वर्चुअल बातचीत में कहा, बेशक इस बार बहुत करीब से टीम के टोक्यो ओलंपिक में कांसा जीतने से चूकने का मलाल है। बावजूद इसके मुझे अपनी साथियों के जीवट और आखिर तक हार न मानने के जज्बे पर फख्र है। खुशी है कि पूरे देश ने हमारे चौथे स्थान पर रहने को सराहा और बेहद प्यार दिया। रियो ओलंपिक में 12वें अंतिम स्थान पर रहने के बाद में एक अच्छे मूड में पहले सेमीफाइनल में आना और कांसे के लिए ब्रिटेन के खिलाफ बेहद करीबी मैच खेलना बड़ी उपलब्धि है। मुझे लगता है कि भारतीय हॉकी का भविष्य बहुत बढ़िया है। मैं अगले ओलंपिक में हंगी या नहीं यह तो मालम नही ओलंपिक में हॉकी में पदक जरूर जीतेगी। हमारे लिए आने वाला साल बहुत अहम है और हमें इसमें जुलाई में होने वाले विश्व कप सहित कई अहम टूर्नामेंट खेलने है। हमें अगले साल राष्ट्रमंडल खेल, एशिया कप एशियाई खेलों में खेलना है। हमें स्पेन-नीदरलैंड में होने महिला हॉकी विश्व के लिए क्वॉलिफाई करने के एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना होगा क्योंकि महाद्वीपीय चैंपियन सीधे इसके लिए क्वॉलिफाई करेगा। मेरा मानना है कि कछ हासिल करने के पर भरोसा होना चाहिए।

रानी रामपाल बताती हैं, शुरू के तीन मैच हारने के बाद हमारे कोचों ने हमसे यही कहा कि खुद पर भरोसा बरकरार रखो। आपके पास गंवाने को कुछ नहीं है और खुल कर खेलों। हमने ऐसा किया तो हम सेमीफाइनल में पहुंचे और फिर कांस्य पदक मैच खेला, । हम भले चौथे स्थान पर रहे लेकिन आने वाले समय में हमारी युवा खिलाड़ियों का लक्ष्य भविष्य में ओलंपिक में सेमीफाइनल से बराबर आगे जाने का रहेगा। बेशक हमारे मौजूदा चीफ कोच शुएर्ड मराइन अब टीम से अलग हो रहे हैं मेरी अपनी टीम की ओर से उन्हें शुभकामनाएं। हमारी टीम को ओलंपिक में अंतिम चार में पहुंचाने में मराइन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का बहुत योगदान है। मैं चाहूंगी कि बाकी सपोर्ट स्टाफ को हमारी टीम के साथ बने रहना चाहिए। हमारी टीम की बेहतरीन फिटनेस भी बढ़िया सपोर्ट स्टाफ की ही बदौलत है। आने वाले चार बरसों में हमें जूनियर टीम पर बहुत ध्यान होगा क्योकि हमें नवोदित खिलाड़ी वहीं से मिलती हैं। हम भारतीय महिला हॉकी की लडकियों का बहत छोटे कस्बों और

टोक्यो ओलंपिक भारतीय हॉकी प्रेमी को याद रहेगा : गुरजीत कौर

भारत के लिए वंदना कटारिया के लिए टोक्यो ओलंपिक में सबसे ज्यादा चार-चार गोल करने वाली ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर देर से बल्कि सही वक्त पर रंग में आई। अमृतसर के सरहदी गांव मियांदी कला गांव की गुरजीत कौर कहती हैं, %ब्रिटेन के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 3-4 से हार कर ओलंपिक में कांस्य पदक न जीत पाने की टीस अभी भी है। हमने ओलंपिक के लिए बेहद कड़ी मेहनत की थी। जहां तक कांस्य पदक मैच की बात है तो मै खुद से ही यह संकल्प लिया था कि मैं अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ूगी।

हर खिलाड़ी की कहानी अभावों से पार पाकर ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हरा कर सेमीफाइनल में स्थान कहानी उसके संघर्ष